E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 45 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

6.5 करोड़ में रफा-दफा हो गया सुभाष चंद्रा का 22,006 करोड़ का कर्ज, अब देनदार झेलेंगे 22000 करोड़ का नुकसान

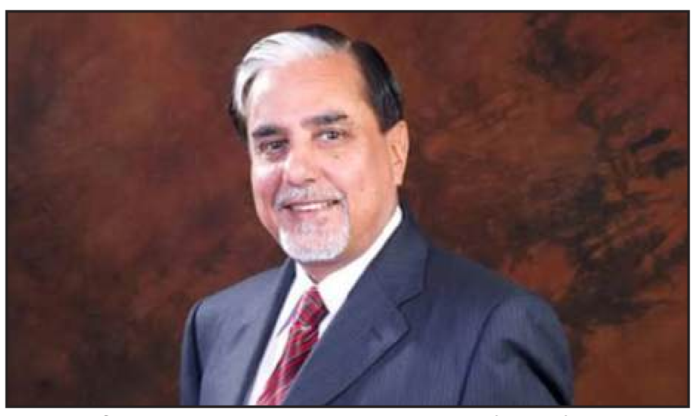

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। आम आदमी अगर बैंक की एक ईएमआई भी चुकाने में चूक जाए, तो रिकवरी एजेंट उसका जीना मुहाल कर देते हैं। लेकिन जब बात देश के बड़े उद्योगपतियों की आती है, तो सिस्टम का रवैया पूरी तरह बदल जाता है। सुभाष चंद्रा का ताजा मामला इसी कड़वी सच्चाई को बयां कर रहा है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) ने मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस के तहत एक ऐसा फैसला सुनाया है, जो आम जनता की समझ से परे है। चंद्रा के ऊपर कुल 22,006.57 करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए उन्होंने सिर्फ 6.5 करोड़ रुपये का सेटलमेंट प्लान पेश किया। हैरानी की बात ये है कि NCLT ने इस प्लान को अपनी हरी झंडी दे दी है। ऐसे में कर्ज देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अपने 99.97 प्रतिशत पैसे से हमेशा के लिए हाथ धोना पड़ेगा। कॉर्पोरेट की भाषा में इसे 'हेयरकट' कहा जाता है, लेकिन असल में ये कर्जदाताओं के सिर मुंडाने जैसा है। ये पूरा मामला इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC) की धारा 114 के तहत पास हुआ है। दरअसल, इस मामले की सुनवाई कर रही दो सदस्यों वाली मूल बेंच के जजों में एक राय नहीं बन पाई थी। इसके बाद नीलेश शर्मा को तीसरे न्यायिक सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया। उनके फैसले के बाद इस विवादित प्लान पर अंतिम मुहर लग गई। एक तरफ देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के दावे होते हैं, वहीं दूसरी तरफ 22 हजार करोड़ का कर्ज महज चंद करोड़ में रफा-दफा कर दिया जाता है। ये फैसला इस बात की ओर भी इशारा करता है कि मौजूदा दिवालिया कानून में बड़े डिफॉल्टरों के लिए बचने की कितनी बड़ी गुंजाइश मौजूद है। इस पूरे सेटलमेंट खेल का सबसे बड़ा शिकार LIC हाउसिंग फाइनेंस बना है। इस सरकारी संस्थान ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोला था, लेकिन उनकी एक न सुनी गई। LIC हाउसिंग फाइनेंस का कुल दावा 1,322.39 करोड़ रुपये का था। अब जरा ध्यान से समझिए कि उन्हें नए प्लान के तहत क्या मिलने वाला है। उन्हें 1322 करोड़ के बदले सिर्फ 38.09 लाख रुपये दिए जाएंगे। ये उनके कुल बकाये का सिर्फ 0.028 प्रतिशत है। LIC हाउसिंग फाइनेंस ने ट्रिब्यूनल में साफ कहा था कि ये सेटलमेंट प्लान पूरी तरह गैर-व्यावहारिक और गैर-कानूनी है। लेकिन उनकी इन दलीलों को खारिज कर दिया गया। इसका जवाब NCLT के आदेश में छिपा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि विरोध करने वाले कर्जदाताओं का कुल वोटिंग शेयर 20 प्रतिशत से भी कम था, जबकि 80.81 प्रतिशत मेजॉरिटी कर्जदाताओं ने इस 6.5 करोड़ के सेटलमेंट प्लान को अपनी मर्जी से पास किया है। रेजोल्यूशन प्रोफेशनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सुभाष चंद्रा की अपनी निजी संपत्ति की कीमत 6.5 करोड़ रुपये से भी कम है। NCLT ने स्पष्ट कर दिया कि वह कर्जदाताओं के 'कमर्शियल विजडम' यानी व्यापारिक फैसले में दखल नहीं दे सकता। ट्रिब्यूनल का काम सिर्फ कानूनी प्रक्रिया की निगरानी करना है, उनके मुनाफे या नुकसान की चिंता करना नहीं। इस पूरी भारी-भरकम कर्ज माफी के बीच शेयर बाजार में जी एंटरटेनमेंट के शेयर जश्न मनाते दिखे। गुरुवार को ZEEL के शेयर 0.43 प्रतिशत चढ़कर 104.85 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले छह महीनों में यह स्टॉक करीब 20 प्रतिशत उछल चुका है।

रक्षाबंधन और सावन पूर्णिमा पर आस्था का महाकुंभ : अयोध्या में रामलला के लिए बहन शांता की राखी

थिंक राजस्थान

अयोध्या / देवघर। रक्षाबंधन पर्व और सावन मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में आस्था का जबर्दस्त उल्लास देखने को मिल रहा है। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के लिए उनकी बहन देवी शांता की ओर से केले के तने से बनी विशेष राखी भेंट की गई, वहीं झारखंड के देवघर स्थित प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सावन पूर्णिमा के साथ ही विश्वविख्यात श्रावणी मेले का शांतिपूर्ण व सफल समापन हुआ। अयोध्याः बहन शांता की ओर से आई अनोखी राखी, सरयू में श्रद्धालुओं का जनसैलाब केले के तने से बनी विशेष राखीः रक्षाबंधन के अवसर पर भगवान श्रीराम की बड़ी बहन देवी शांता की ओर से श्रद्धालुओं ने केले के तने से निर्मित एक विशेष और दिव्य राखी रामलला के लिए भिजवाई है, जिसे रक्षाबंधन के दिन विधि-विधान से रामलला को पहनाया जाएगा।

भादो मेले के लिए अर्घ्या व्यवस्थाः एसडीएम रवि कुमार ने कहा कि सावन के बाद भादो मास में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा भारत, खेल बन रहे राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम

थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से इस कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है और अब गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हो रहा है।उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस उनके अद्वितीय योगदान और खेल के प्रति समर्पण को याद करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चैथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

ट्रंप और उनके बेटे की हत्या की धमकी नेतन्याहू की साजिश : मोहसिन रेज़ाई का दावा

थिंक राजस्थान

तेहरान। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेज़ाई ने दावा किया है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कथित ईरानी साजिश और उनके छोटे बेटे को जान से मारने की धमकियों से जुड़ी खबरें इजरायल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू की सोची-समझी 'साजिश' हैं। अरब न्यूज चैनल अल-मनार से बातचीत के दौरान रेज़ाई ने कहा कि इजरायली प्रधानमंत्री इन मनगढ़ंत खबरों के जरिए डोनाल्ड ट्रंप में खौफ पैदा करना चाहते हैं, ताकि अमेरिका को ईरान के खिलाफ सीधे सैन्य टकराव व युद्ध में घसीटा जा सके। निर्णय क्षमता को प्रभावित करने का आरोपः रेज़ाई ने कहा कि नेतन्याहू ने ईरान की ओर से ट्रंप की हत्या की कथित योजनाओं का झूठा प्रचार करके अमेरिकी नेतृत्व को डराने और उनके फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित करने की कोशिश की है। सख्त रुख और दावेः रेज़ाई ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि ईरान कोई फैसला लेता है, तो उसे लागू करने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ट्रंप व उनके बेटे को निशाना बनाने से जुड़ी बातें नेतन्याहू की मनगढ़ंत बातें हैं। सबूत का अभावः ईरानी मीडिया में प्रसारित इस बयान के बावजूद, रेज़ाई ने अपने इन दावों के समर्थन में कोई सार्वजनिक साक्ष्य या आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किए हैं। हालांकि, ईरानी मीडिया में प्रसारित रेज़ाई के बयान में इन आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक सबूत या आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किया गया है। इसलिए नेतन्याहू की ओर से ऐसी साजिश रचे जाने का दावा फिलहाल रेज़ाई के आरोप तक ही सीमित है। मामला ऐसे समय सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव तथा इजरायल की भूमिका को लेकर क्षेत्रीय स्तर पर पहले से ही संवेदनशील स्थिति बनी हुई है।

10 दिनों में 16 ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन पकड़े, बिना ई-वे बिल और कम मात्रा व मूल्य दर्शाने के मामले आए सामने

थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य में माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल के प्रावधानों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध वाणिज्यिक कर विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की प्रवर्तन टीमों ने पिछले 10 दिनों में 16 अलग-अलग ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन अनियमितताओं के चलते पकड़े हैं। इन वाहनों में या तो आवश्यक ई-वे बिल के बिना माल का परिवहन किया जा रहा था अथवा ई-वे बिल में वास्तविक रूप से परिवहन किए जा रहे माल की तुलना में कम मात्रा या कम मूल्य दर्शाया गया था। विभाग द्वारा पकड़े गए वाहनों को नियमानुसार जब्त कर उनके संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है। माल एवं संबंधित दस्तावेजों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है, जिसके आधार पर देय कर, ब्याज एवं दंड की राशि निर्धारित की जाएगी। पिछले तीन दिनों में ही विभाग की प्रवर्तन टीमों ने कई प्रमुख ट्रांसपोर्टरों के वाहनों में ई-वे बिल संबंधी अनियमितताएं पकड़ी हैं। इनमें जड़िया ट्रांसपोर्ट, पूजा रोड कैरियर्स, बालाजी ट्रांसपोर्ट, टीएफसी, ओम शिव ट्रांसपोर्ट, शक्ति, उदयपुर गोल्डन, शेखावाटी ट्रांसपोर्ट कंपनी और यू ट्रांस लॉजिस्टिकसहित अन्य ट्रांसपोर्टर शामिल हैं। कुछ ट्रांसपोर्टरों के एक से अधिक वाहन भी अनियमितता में पकड़े गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ मामलों में कर चोरी की मंशा से आवश्यक ई-वे बिल के बिना माल का परिवहन किया जा रहा था। वहीं कुछ मामलों में ई-वे बिल में वास्तविक माल की तुलना में कम मात्रा अथवा कम मूल्य दर्ज किया गया। विभाग ऐसे मामलों को गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि इससे वास्तविक कर देयता को कम दर्शाने की संभावना रहती है। प्रवर्तन टीमों द्वारा वाहनों में लदे माल, ई-वे बिल और अन्य संबंधित दस्तावेजों का आपसी मिलान एवं सत्यापन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कर, ब्याज एवं दंड निर्धारित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वाणिज्यिक कर विभाग ने व्यवसायियों एवं ट्रांसपोर्टरों को स्पष्ट संदेश दिया है कि माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल के सभी प्रावधानों का पूर्ण पालन किया जाए। ई-वे बिल में माल की वास्तविक मात्रा, वास्तविक मूल्य और परिवहन से संबंधित सही विवरण दर्ज करना अनिवार्य है। विभाग ने कहा कि बिना ई-वे बिल माल परिवहन करने अथवा जानबूझकर कम मात्रा या मूल्य दर्शाकर कर देयता कम करने के प्रयासों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सिस्टम की सबसे बड़ी विडंबना ये है कि जिन संस्थानों ने इस प्लान का विरोध किया था, उन्हें भी अब यही शर्तें माननी होंगी। NCLT ने IBC की धारा 115 का हवाला देते हुए साफ कर दिया कि मंजूर किया गया प्लान सभी पर लागू होता है। जो लोग इसके खिलाफ थे, वे अब अलग से अपनी वसूली के लिए कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ सकते। अब रेजोल्यूशन प्रोफेशनल को बकायेदारों की अंतिम लिस्ट तैयार करनी है, जिसके बाद ओरिजिनल बेंच औपचारिक आदेश जारी करेगी। इस पूरी भारी-भरकम कर्ज माफी के बीच शेयर बाजार में जी एंटरटेनमेंट के शेयर जश्न मनाते दिखे। गुरुवार को ZEEL के शेयर 0.43 प्रतिशत चढ़कर 104.85 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले छह महीनों में यह स्टॉक करीब 20 प्रतिशत उछल चुका है। राज्य में माल परिवहन के दौरान ई-वे बिल के नियमों का पालन नहीं करने वाले ट्रांसपोर्टरों के खिलाफ वाणिज्यिक कर विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की प्रवर्तन टीमों ने पिछले 10 दिनों में 16 अलग-अलग ट्रांसपोर्टरों के 29 वाहन अनियमितताओं के चलते पकड़े हैं। जांच पूरी होने के बाद देय कर, ब्याज और दंड की राशि निर्धारित की जाएगी।

तमिलनाडु ने नेपाल में फंसे तमिलों के बचाव के लिए आईएएस नेतृत्व वाली टीम भेजी

थिंक राजस्थान

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने हिमालयी देश के उत्तरी क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ के बाद फंसे तमिलनाडु निवासियों के बचाव प्रयासों के समन्वय के लिए आईएएस नेतृत्व वाली टीम को नेपाल भेजने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता में आपदा में फंसे राज्य के लोगों की स्थिति की समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के गृह आयुक्त आशीष कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से काठमांडू के लिए रवाना होगा, फंसे हुए तमिलों का आकलन करेगा और बचाव कार्यों के समन्वय के लिए नेपाल सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। हिमस्खलन के कारण कोसी और त्रिशुली नदियों में उफान आने से बाढ़ आई, जिससे बड़े क्षेत्र जलमग्न हो गए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु से 103 लोग नेपाल गए थे।

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी ली

थिंक राजस्थान

क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और कथित तौर पर राज्य समर्थित तत्वों पर किए गए कई हमलों की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने दावा किया है कि इन हमलों में 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी और दो कथित राज्य समर्थित ऑपरेटिव मारे गए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलूच ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि 22 अगस्त को संगठन के लड़ाकों ने अवारान जिले के कोलवाह-गिशकोर क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की सड़क सुरक्षा इकाई पर हमला किया। वक्ता के मुताबिक, इस हमले में पांच सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। बाद में हिरासत में लिए गए पुलिसकर्मियों को रिहा कर दिया गया।

नेपाल में बाढ़ की विभीषिका : 90 अमेरिकी नागरिक लापता, राष्ट्रपति ट्रंप ने हर संभव मदद का दिया भरोसा

थिंक राजस्थान

वाशिंगटन / काठमांडू। नेपाल के रसुवा जिले में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए नेपाल को हर संभव सहायता देने की घोषणा की है। इस आपदा में करीब 90 अमेरिकी नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। वहीं, नेपाल में अब तक मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 389 तक पहुंच गई है। 'माचिस की तीलियों की तरह बह गए पक्के मकान': राष्ट्रपति ट्रंप एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर के दौरान व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नेपाल में आई तबाही अभूतपूर्व और भयावह है। मदद की पेशकशः ट्रंप ने कहा, 'हमने नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से सीधा संपर्क साधा है और स्पष्ट किया है कि उन्हें जिस भी तरह की सहायता की आवश्यकता है, अमेरिका उसे उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। नेपाल के साथ हमारे बेहद घनिष्ठ संबंध हैं और हम राहत सामग्री भेज रहे हैं।' तबाही का खौफनाक मंजरः उन्होंने घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल पानी का सैलाब नहीं था, बल्कि पानी और मलबे-कीचड़ का ऐसा खतरनाक बहाव था जिसे पहले कभी नहीं देखा गया। मजबूत और कंक्रीट के बड़े-बड़े भवन भी पानी के वेग में ऐसे बह गए मानो माचिस की तीलियां हों। अमेरिकी नागरिकों की खोजबीनः ट्रंप ने जानकारी दी कि प्रभावित इलाके में बड़ी संख्या में अमेरिकी नागरिक मौजूद थे। विदेश विभाग के अनुसार लगभग 90 अमेरिकी नागरिक लापता या प्रभावित हैं, जिनकी अंतिम सूची जुटाने का प्रयास जारी है। 389 मौतें, 600 को सुरक्षित निकालाः नेपाल पुलिस के अनुसार देश भर में मृतकों की संख्या 389 हो चुकी है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने जानकारी दी कि बचाव दलों ने युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाते हुए अब तक करीब 600 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। 31 देशों के 540 विदेशी लापताः नेपाल पर्यटन बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक आपदा के बाद 31 विभिन्न देशों के 540 विदेशी नागरिक लापता हैं। भारतीय पर्यटकों की संख्या सर्वाधिकः लापता विदेशी पर्यटकों में सबसे बड़ा आंकड़ा भारत का है, जहां के 178 नागरिक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार, बचाव एवं राहत दल युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं।

राखी स्पेशल : लद्दाख की वादियों में तैनात भाई, बहन ने भेजी प्यार की राखी

थिंक राजस्थान

लद्दाख। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। इस खास मौके पर जब अधिकांश भाई-बहन एक-दूसरे के साथ रहकर राखी का त्योहार मना रहे हैं, वहीं देश की सुरक्षा में तैनात जवान और अधिकारी अपने परिवार से दूर रहकर कर्तव्य निभा रहे हैं। ऐसी ही एक भावुक तस्वीर लद्दाख से सामने आई है।

सीकर के डॉ. सुशील, असिस्टेंट कमांडेंट केंद्रीय पुलिस इन दिनों देश सेवा के लिए लद्दाख की वादियों में ड्यूटी पर तैनात हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर ड्यूटी के चलते उन्हें छुट्टी नहीं मिल सकी। भाई के साथ राखी का त्योहार मनाने की इच्छा लिए उनकी छोटी बहन डॉ. सुरभी ने राखी भेजकर अपना प्यार, स्नेह और शुभकामनाएं उन तक पहुंचाईं। बहन द्वारा भेजी गई राखी भाई तक पहुंची तो उसमें सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि बहन का प्यार, विश्वास और भावनाएं भी शामिल थीं। भाई से दूर रहकर भी बहन ने यह एहसास कराया कि दूरी रिश्तों के प्रेम को कभी कम नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, "गर्व है कि आप मेरी नहीं, पूरे देश की रक्षा के लिए ड्यूटी पर हैं। मेरा प्यार और दुआएं हमेशा आपके साथ रहेंगी।"

संपादकीय

चूरू में सोशल मीडिया कलाकारों से थाने में दुर्व्यवहार का आरोप, चैनल बंद करवाने और केस में फंसाने की धमकी का दावा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। सोशल मीडिया क्रिएटर्स को थाने बुलाकर कथित रूप से डराने-धमकाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। राजस्थान इनफ्लुएंसर कम्युनिटी के सदस्यों ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी निश्चय प्रसाद एम को ज्ञापन सौंपा। कम्युनिटी ने सदर थाना पुलिस पर दो सोशल मीडिया कलाकारों को थाने बुलाकर अपमानित करने, मानसिक दबाव बनाने और गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से करवाकर आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कम्युनिटी के ख्याली सहारण और बनवारीलाल गोस्वामी के अनुसार 23 अगस्त को उनके साथी सोशल मीडिया क्रिएटर ओम ने पाकिस्तान के एक इनफ्लुएंसर अदनान को लेकर सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए पोस्ट शेयर की थी। पोस्ट को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई।

इसके बाद 24 अगस्त को सदर थाना पुलिस की ओर से ओम को फोन कर पोस्ट हटाने के लिए कहा गया। ओम ने पोस्ट हटा दी और इसके बाद माफी की पोस्ट के साथ माफी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया। कम्युनिटी का आरोप है कि 25 अगस्त को सदर थाना पुलिस के अधिकारी सोशल मीडिया कलाकार अनिल खारिया को उनके घर से थाने ले गए। अनिल का कहना था कि यदि पुलिस को पूछताछ करनी है तो वे स्वयं थाने आ सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें घर से ले जाया गया। इसी दिन ओम को भी थाने बुलाया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि दोनों कलाकारों को सुबह करीब 11 बजे से शाम 7 बजे तक थाने में बैठाकर मानसिक दबाव बनाया गया और उनके परिवार व परिचितों के सामने कथित रूप से अपमानित किया गया। कम्युनिटी का दावा है कि उन्हें सोशल मीडिया चैनल बंद करवाने तथा एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी भी दी गई। मामले को लेकर राजस्थान इनफ्लुएंसर कम्युनिटी ने एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। कम्युनिटी का कहना है कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

साइबर ठगी से बचने के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक, 1930 पर शिकायत की जानकारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। 'सशक्त युवा, सशक्त भारत' अभियान के तहत गुरुवार को तिवारी माध्यमिक विद्यालय में साइबर अपराध एवं डिजिटल सुरक्षा को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अपर लोक अभियोजक पवन कुमार सैनी एवं अधिवक्ता रितेश चौहान ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी, बैंकिंग धोखाधड़ी, एआई फ्रॉड और डीपफेक सहित साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। विद्यार्थियों को ओटीपी, पासवर्ड और बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने की सलाह दी गई। साइबर अपराध होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी बताया गया। अंत में विद्यार्थियों से परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को समझाया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन भी किया गया।

संस्कारयुक्त, नशामुक्त बीकानेर के लिए दौड़ेंगे हजारों कदम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 29 अगस्त को आयोजित होने वाले "रन फॉर फिट बीकाणा–छठा संस्करण" के पोस्टर का विमोचन 26 मैकेनाइज्ड रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सी. अखिल सर एवं 14 महार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर रोशन जैन ने किया। कमांडिंग ऑफिसर्स ने आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं को खेलों से जोड़ने और नशे से दूर रखने को जरूरी बताया।

'कमल का फूल, सवर्ण की भूल' फिर गूंजा, UGC मुद्दे पर भाजपा के खिलाफ मैदान में करणी सेना

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के बीच श्री राजपूत करणी सेना ने भाजपा के खिलाफ चुनावी अभियान चलाने का ऐलान किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल मकराना ने कहा कि यदि UGC से जुड़े फैसले को रोलबैक नहीं किया गया तो करणी सेना भाजपा के खिलाफ गांव-गांव और शहर-शहर प्रचार अभियान चलाएगी। राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने के बीच करणी सेना के इस ऐलान से चुनावी राजनीति में UGC का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया है। हालांकि इसका चुनावी असर स्थानीय सामाजिक समीकरणों और प्रत्याशियों की स्थिति पर निर्भर करेगा। अब सभी की नजर भाजपा की प्रतिक्रिया और इस मुद्दे पर केंद्र व राज्य नेतृत्व के अगले कदम पर है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने 17 मतदाता जागरूकता रथों को दिखाई हरी झण्डी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने महात्मा गाँधी सोशल साइंस इंस्टीट्यूट से 17 मतदाता जागरूकता रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर शहर परिक्षेत्र की आठ विधानसभाओं हवामहल, आदर्श नगर, सांगानेर, बगरू, किशनपोल, विद्याधर नगर व सिविल लाइन्स के मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत 17 मतदाता जागरूकता एलईडी रथों को रवाना किया गया है। ये रथ उक्त विधानसभा क्षेत्रों में जाकर आम मतदाताओं को उनके मत के महता, ईवीएम से होने वाली चुनाव प्रक्रिया के साथ-साथ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए नगरीय निकाय चुनाव के मतदान कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। एलईडी रथों पर प्रदर्शित होने वाली सामग्री के माध्यम से मतदाताओं को बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा।

शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने को स्कूल गवर्नेंस के नए दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। शैक्षिक सत्र 2026-27 में सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और प्रभावी प्रबोधन के लिए स्कूल गवर्नेंस के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निदेशक माध्यमिक शिक्षा ललित कुमार ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों तथा ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को इनकी अक्षरशः पालना के निर्देश दिए हैं। दिशा-निर्देशों में शाला सम्बलन निरीक्षण, स्कूल इम्प्रूवमेंट प्लान, जिला रैंकिंग और विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया गया है। जिला रैंकिंग की समीक्षा के साथ शालादर्पण मॉड्यूल में आवश्यक संशोधन एवं कार्यवाही भी की जाएगी। पीईईओ/यूसीईईओ, प्रधानाचार्यों और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों को भी निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमित निगरानी और प्राप्त आंकड़ों के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे का चेयरमैन बनने का सपना टूटा, वोटर बनने का आवेदन निरस्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बारां। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर का नगर पालिका के वार्ड 21 में वोटर बनने के लिए किया गया आवेदन एसडीएम ने निरस्त कर दिया। मंत्री दिलावर के पुत्र पवन और उनकी पत्नी हेमलता ने 21 अगस्त को बस स्टैंड के पास मकान नंबर 10 का पता देकर 6 माह से रहने का दावा किया था। जांच में पते पर निवास की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद आवेदन खारिज कर दिया गया। अटरू नगर पालिका चेयरमैन पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण पवन दिलावर की वहां से चुनाव लड़ने की तैयारी थी।

दोनों ने वार्ड 21 की भाग संख्या-1 में नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया था, जिसमें बस स्टैंड के पास मकान नंबर 10 का पता दर्ज था। उपखंड अधिकारी अंजना सहरावत ने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए कुल 326 आवेदन आए थे। जांच में 20 आवेदन निरस्त हुए, जिनमें पवन और हेमलता के आवेदन भी शामिल हैं। आवेदन में दिए पते पर संदेह होने पर पांच सदस्यीय कमेटी से जांच कराई गई। कमेटी ने मौके पर जाकर आसपास के पांच मकानों के लोगों के बयान लिए। जांच में सामने आया कि दोनों न तो वर्तमान में बताए पते पर रह रहे हैं और न ही पहले कभी वहां रहे। जिस मकान का पता दिया गया, उसमें कांतिबाई का नाम बताया गया, जिन्हें रिश्तेदार बताया जा रहा है। वार्ड 21 में निवास का कोई प्रमाण भी नहीं दिया गया। आवेदन के साथ रंगबाड़ी का आधार कार्ड लगाने का उल्लेख भी आदेश में है। एसडीएम के आदेश में हस्ताक्षर की जगह अंगूठा लगाए जाने का उल्लेख है, जिससे प्रमाणिकता पर संदेह हुआ। वहीं, बीएलओ ने आवेदन की अनुशंसा कर उसे आगे भेजा था। अटरू में पहली बार नगर पालिका चुनाव हो रहे हैं और अध्यक्ष पद एससी के लिए आरक्षित है। उनके चाचा कृष्ण मुरारी के चुनाव लड़ने की चर्चा है।

श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी में एनसीसी कैडेट्स ने मनाया राष्ट्रीय खेल महोत्सव

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी में एनसीसी कैडेट्स द्वारा खेल महोत्सव का आयोजन गुरुवार (27 अगस्त) को खेल भावना और अनुशासन के साथ किया गया। 29 अगस्त को अवकाश रहने के कारण विश्वविद्यालय परिसर में खेल दिवस से जुड़े कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए गए, जिसमें 61 कैडेट्स ने विभिन्न खेल व एथलेटिक्स स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स व खेल मुकाबलेः एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि महोत्सव के तहत 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ के अलावा रस्साकशी और वॉलीबॉल के रोमांचक मैच आयोजित किए गए। कैडेट्स ने युवाओं और खेल जगत को लेकर प्रधानमंत्री के विचारों को उत्साहपूर्वक सुना।

श्रावणी उपाकर्म एवं यज्ञोपवीत पूजन महापर्व वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। शुक्ल यजुर्वेदीय द्विजातियों का पावन श्रावणी उपाकर्म एवं यज्ञोपवीत पूजन महापर्व गुरुवार को श्री सप्तर्षि श्रावणी सरोवर, श्री सप्तर्षि वेद-वेदांग ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में श्रद्धा और वैदिक परंपराओं के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ऋषिकुल के वटुकों सहित सरदारशहर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विप्रजन शामिल हुए। आचार्य पंडित डॉ. बालकृष्ण कौशिक के सान्निध्य में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रावणी उपाकर्म, ऋषि पूजन और यज्ञोपवीत पूजन संपन्न कराया गया।

आचार्य भिवाराम नवहाल एवं आचार्य रामदेव ने शास्त्रोक्त विधि-विधान से धार्मिक संस्कार संपन्न करवाए। इस दौरान ऋषिकुल परिसर वैदिक मंत्रों और ऋचाओं से गूंज उठा। आचार्य डॉ. बालकृष्ण कौशिक ने बताया कि विभिन्न प्रामाणिक पंचांगों के अनुसार शुक्ल यजुर्वेदीय द्विजातियों के लिए इस वर्ष श्रावणी उपाकर्म 27 अगस्त को निर्धारित था। उन्होंने कहा कि श्रावणी उपाकर्म वैदिक परंपरा में आत्मशुद्धि, ऋषि स्मरण, स्वाध्याय और संस्कारों के नवीनीकरण का महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी वैदिक परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना सभी का दायित्व है।

मेहंदी व राखी बनाओ पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय भादासर दिखनादा में गुरुवार को मेहंदी प्रतियोगिता एवं राखी बनाओ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी प्रियंका कासनियां के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यालय के मीडिया प्रभारी रविंद्र पूनियां ने बताया कि मेहंदी प्रतियोगिता में ममता ने प्रथम, रिद्धि शर्मा ने द्वितीय, सरस्वती ने तृतीय तथा ममता जाखड़ ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में तेजपाल प्रथम, राधेश्याम द्वितीय एवं कानाराम तृतीय स्थान पर रहे। वरिष्ठ अध्यापक अभिषेक शर्मा, विकास पारीक एवं दलीप जाखड़ ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश मीणा, प्रेमलता चौधरी, गिरधारी सारण, नीतीश बेनीवाल, पूनम राठौड़, ममता स्वामी, सिलोचना, गोमती देवी, मुनिराम सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने एक-दूसरे की कलाकृतियों को देखकर उत्साह बढ़ाया तथा अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल का परिचय दिया। मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कला को उकेरा, वहीं राखी एवं पोस्टर निर्माण में विद्यार्थियों ने रंगों और सृजनात्मक सोच का बेहतर प्रयोग किया। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी भविष्य में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय डांगियों का गुड़ा में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। पिछले वर्ष की सुंदर परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी राजकीय आयुर्वेद औषधालय, डांगियों का गुड़ा में रक्षाबंधन का पावन पर्व समस्त स्टाफ बहनों के साथ बड़े हर्षोल्लास, प्रेम एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. विष्णु बंशीवाल द्वारा औषधालय में कार्यरत सभी बहनों को भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रतीक स्वरूप साड़ी एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं तथा आपसी स्नेह, सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। डॉ. विष्णु बंशीवाल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान, विश्वास और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। कार्यस्थल पर भी परिवार जैसी आत्मीयता एवं परस्पर सम्मान की भावना से सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। कार्यक्रम में औषधालय के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान बहनों ने राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेहपूर्ण संबंध को मजबूत करने की कामना की। उपहार भेंट किए जाने पर स्टाफ सदस्यों ने चिकित्सा अधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन कार्यस्थल पर अपनापन बढ़ाने के साथ कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ ने रक्षाबंधन पर्व की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में यह पर्व रिश्तों में विश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। साथ ही यह समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने का भी संदेश देता है। आयुर्वेद औषधालय में आयोजित इस आत्मीय कार्यक्रम से पूरे वातावरण में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। सभी कर्मचारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को मिलजुलकर मनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन आपसी शुभकामनाओं और सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

राजस्थान/ प्रादेशिक

'राजस्थान पेयजल संवाद' के द्वितीय संस्करण में चार जिलों के गांवों से सीधा संवाद

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के साथ-साथ पेयजल सेवाओं को निरंतर, विश्वसनीय और टिकाऊ बनाए रखने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने गांवों से सीधे संवाद की पहल को और गति दी है।

इसी क्रम में जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत गुरुवार को जल भवन में राज्य स्तरीय 'राजस्थान पेयजल संवाद' के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया गया।

इस बार संवाद का विषय 'सतत ग्रामीण पेयजल सेवाओं में समुदाय की भागीदारी' रहा।

संवाद का मुख्य उद्देश्य गांवों में संचालित पेयजल योजनाओं की वास्तविक स्थिति को ग्रामीणों से सीधे जानना, स्थानीय समस्याओं की पहचान करना, सफल कार्यप्रणालियों को साझा करना तथा उनके व्यावहारिक समाधान तलाशना रहा। गेरा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को सुरक्षित, पर्याप्त, विश्वसनीय एवं दीर्घकालीन पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजसेवकों के चुनाव लड़ने पर सरकार सख्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान सरकार ने राजकीय सेवा में रहते हुए राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने वाले राजसेवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख शासन सचिव परविन्दर सिंह ने शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष सहित सभी संबंधित अधिकारियों को राजस्थान सिविल सेवाएं (आचरण) नियम, 1971 के नियम 7 का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल अनुशासनिक कार्रवाई शुरू करने को कहा है। निर्देशों के अनुसार सरकारी कर्मचारी राजनीतिक दल की सदस्यता नहीं ले सकते, चुनाव में टिकट के लिए आवेदन या चुनाव नहीं लड़ सकते और न ही चुनाव प्रचार, राजनीतिक गतिविधियों में सहायता या किसी प्रत्याशी के प्रस्तावक, समर्थक अथवा पोलिंग एजेंट बन सकते हैं। सरकारी कर्मचारी द्वारा अपने वाहन, आवास या व्यक्ति पर चुनाव चिह्न प्रदर्शित करना भी नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। सरकार ने सभी विभागाध्यक्षों, संभागीय आयुक्तों और जिला कलक्टरों को नियमों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन, युवाओं का संकल्पः खेलों से बनेगा विकसित भारत-कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज MNIT कॉलेज में छात्र-छात्राओं एवं युवा खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को सही अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं मिलें, यही नए भारत की मजबूत खेल संस्कृति की पहचान है। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि खेल जीवन जीने का तरीका सिखाते हैं। खेल हमें अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, नेतृत्व और कठिन परिस्थितियों में खुद पर विश्वास बनाए रखना सिखाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में हर व्यक्ति के सामने दबाव और चुनौतियां आती हैं। ऐसे समय में उनसे घबराने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने का अवसर समझना चाहिए। जिस व्यक्ति के सामने कोई लक्ष्य होता है, उसी के सामने उसे हासिल करने की चुनौती और दबाव भी होता है। इसलिए दबाव को कमजोरी नहीं, अपनी क्षमता साबित करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। असली चैंपियन वह है जो हारने के बाद भी अगले दिन फिर मैदान में उतरता है। सफलता एक दिन की मेहनत से नहीं मिलती। लगातार सीखना, अनुशासन के साथ मेहनत करना और असफलताओं से सीखकर आगे बढ़ना ही जीत की असली कुंजी है। उन्होंने खेल को जीवन से जोड़ते हुए कहा कि मैदान पर कुछ ही मिनटों में हार और जीत दोनों का अनुभव होता है। इसी दौरान खिलाड़ी टीम के लिए खेलना, सही समय पर निर्णय लेना, दूसरों पर भरोसा करना और अपनी भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाना सीखता है। यही गुण आगे चलकर जीवन और करियर में भी सफलता का आधार बनते हैं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य भारत भारत को एक स्पोर्टिंग नेशन बनाना है। देश के हर बच्चे और युवा को खेलों से जुड़ने का अवसर मिले और खेल हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनें, यही नए भारत की खेल संस्कृति है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी खेल सुविधाओं के विस्तार और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि मैदान में उतरिए, मेहनत कीजिए, हार से सीखिए और हर दिन खुद को कल से बेहतर बनाने का प्रयास कीजिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन (28 अगस्त) के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास का प्रतीक होने के साथ ही हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक भी है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपरा में रिश्ते अहम और विशेष होते हैं, जिन्हें मन, कर्म और वचन से निभाया जाता है। उन्होंने संस्कृत दिवस (श्रावण पूर्णिमा) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीन भाषा होने के साथ ही अनेक भाषाओं की जननी भी है। इस भाषा ने धर्म और दर्शन के साथ ही चिकित्सा, योग, संगीत और साहित्य से जुड़ा ज्ञान सहेजा है। उन्होंने नव पीढ़ी से आह्वान किया कि वे संस्कृत भाषा के संवर्धन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

महिला सुपरवाइजर भर्ती में ओएमआर टेंपरिंग व पेपर लीक के दो आरोपी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में नकल, पेपर लीक और फर्जीवाड़े के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) ने अपना शिकंजा और कस दिया है। एसओजी ने गुरुवार को अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली के मामलों में तीन बड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें महिला अधिकारिता सुपरवाइजर भर्ती-2018 में ओएमआर शीट स्कैनिंग में हेरफेर करने वाली चयनित महिला अभ्यर्थी, इसी भर्ती में कुख्यात तुलछाराम कालेर गैंग से 5 लाख में पेपर खरीदकर नकल कराने वाला दलाल और वर्ष 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती (लेवल-1) में 7 लाख रुपये में फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने वाला मुख्य दलाल शामिल हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (SOG) विशाल बंसल के अनुसार, ये सभी कार्रवाइयां आईजी अजय पाल लांबा के निर्देशन, डीआईजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन और एसपी कुंदन कंवरिया के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा की गईं।

स्वीप अभियान : रंगोली से सजा लोकतंत्र का संदेश, लिया गया शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डीग। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत जिलेभर में सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में आकर्षक रंगोली प्रतियोगिताओं एवं पंचायत समिति स्तर पर सामूहिक मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से भावी मतदाताओं, बालिकाओं और आम नागरिकों को लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया। स्वीप अभियान के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सादपुरी तथा उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर बृजनगर में बालिका मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी कल्पनाशीलता और बहुरंगी रंगों के माध्यम से सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, मतदान हमारा अधिकार और कर्तव्य तथा जागरूक बालिका-सशक्त लोकतंत्र जैसे प्रेरक नारों को जमीन पर खूबसूरती से उकेरा।

वहीं, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ताखा में स्वीप गतिविधियों के तहत छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नैतिक एवं भयमुक्त मतदान के लिए प्रेरित करते हुए मतदाता शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही प्रशासनिक स्तर पर लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए पंचायत समिति कार्यालय डीग एवं पंचायत समिति कार्यालय कामां में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए। दोनों कार्यालयों में विकास अधिकारियों के नेतृत्व में समस्त विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा आमजन को भी मतदान के प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली।

राजस्थान नगर निकाय चुनाव - 309 शहरी स्थानीय निकायों के 10,245 वार्डों के लिए नामांकन शुरू

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में आगामी शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है, जो 'एक राज्य, एक चुनाव' ढांचे के तहत आयोजित होने वाले पहले स्थानीय निकाय चुनाव हैं। शहरी इलाकों के 309 स्थानीय निकायों के 10,245 वार्डों के लिए नामांकन दाखिल किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया है। दोनों पार्टियां 28 या 29 अगस्त को अपने टिकटों की घोषणा कर सकती हैं। परिणामस्वरूप, स्वतंत्र उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने वालों में सबसे पहले होने की संभावना है। खबरों के मुताबिक, पार्षद पदों के लिए दो प्रमुख राजनीतिक दलों से हजारों उम्मीदवारों ने टिकट मांगे हैं। 12 से अधिक प्रमुख दलों के चुनाव लड़ने की संभावना को देखते हुए, पार्टी नामांकन को अंतिम रूप देने और उसकी प्रक्रिया में काफी समय लगने की आशंका है। हालांकि आधिकारिक नामांकन अवधि 27 अगस्त से 31 अगस्त तक है, लेकिन उम्मीदवार केवल तीन दिनों 27, 29 और 31 अगस्त को ही अपने कागजात दाखिल कर सकेंगे, क्योंकि 28 अगस्त को रक्षा बंधन है, जबकि 30 अगस्त रविवार को पड़ता है। जयपुर नगर निगम ने नामांकन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए 15 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कार्यालय स्थापित किए हैं। पार्टी टिकटों की होड़ तेज हो गई है और बड़ी संख्या में उम्मीदवार भाजपा और कांग्रेस के राज्य मुख्यालयों पर जमा हो रहे हैं। उम्मीदवार वरिष्ठ नेताओं से मिल रहे हैं और टिकट पाने के लिए पैरवी कर रहे हैं, जबकि पार्टियां उनकी प्रोफाइल, पृष्ठभूमि और चुनावी संभावनाओं की बारीकी से जांच कर रही हैं। भीड़ के कारण जयपुर में होटलों की मांग भी बढ़ गई है और कई प्रतिष्ठानों में उच्च स्तर की ऑक्यूपेंसी देखी जा रही है क्योंकि टिकट के इच्छुक उम्मीदवार और पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न जिलों से आ रहे हैं। परिणामस्वरूप, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों सहित मतदाताओं को अपना वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर जाना होगा। राज्य चुनाव आयोग ने त्योहारों और अन्य कारणों से कुछ शहरी निकायों के मतदान की तारीखों में संशोधन किया है।

वॉल्ड सिटी में चार घंटे चला विशेष सफाई अभियान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम द्वारा "स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर" अभियान के अंतर्गत आज वॉल्ड सिटी क्षेत्र (किशनपोल व हवामहल जोन) में विशेष स्वच्छता अभियान का दूसरा चरण चलाया गया। इससे पहले इस अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत 25 अगस्त 2026 को सांगानेर व मानसरोवर जोन से की जा चुकी है। अभियान का दूसरा चरण आज छोटी चैपड़ से सुबह 7 बजे प्रारंभ हुआ। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा स्वयं पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सुबह 7 बजे से 11 बजे तक करीब चार घंटे वॉल्ड सिटी के प्रमुख क्षेत्रों का भ्रमण किया। आयुक्त कसेरा ने अभियान के दौरान ई-रिक्शा तथा पैदल घूमकर संकरी गलियों व बाजार क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अतिरिक्त आयुक्त, जोन डीसी किशनपोल व हवामहल, डीसी हेल्थ तथा डीसी विजिलेंस भी पूरे समय मौजूद रहे।

कर्तव्य परायणता और बहादुरी से लूट को विफल करने वाले सिपाही उदयसिंह का सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। एमएसजे कॉलेज के सामने बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम में लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे बदमाशों की योजना को अपनी बहादुरी, सूझबूझ और तत्परता से विफल करने वाले सिपाही उदयसिंह का समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने सम्मान किया। रात के समय सुनसान सड़क पर एटीएम बूथ के अंदर से संदिग्ध गतिविधियों की आवाज सुनाई देने पर सिपाही उदयसिंह ने बिना किसी भय के मौके पर पहुंचकर स्थिति को समझा। उन्होंने साहस दिखाते हुए एटीएम बूथ का शटर गिराकर बदमाशों को अंदर बंद कर दिया तथा तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एटीएम बूथ के अंदर बंद दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस की कार्रवाई में तीसरा आरोपी भी बाद में गिरफ्तार किया गया। इस साहसिक कार्रवाई के लिए सीताराम गुप्ता ने सिपाही उदयसिंह को पटका पहनाकर, माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सिपाही उदयसिंह ने जिस साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ का परिचय दिया है, वह पुलिस विभाग के साथ-साथ पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। गुप्ता ने कहा कि पुलिसकर्मियों की ऐसी सजगता और तत्परता से अपराधियों के हौसले पस्त होते हैं और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत होता है।

उन्होंने सिपाही उदयसिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी बहादुरी की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता अनिल टोडवाल, अभियंता मनीष गुप्ता , तरुण गुप्ता, संस्था के पुनीत गुप्ता, समाज सेवी राजेंद्र माहुरे, कुम्हेर के सीडीपीओ महेंद्र अवस्थी, अनिल गर्ग, सचिन, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, राम किशन ने भी सिपाही उदयसिंह की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि समय पर दिखाई गई उनकी हिम्मत के कारण एक बड़ी आपराधिक घटना होने से बच गई।

म्यूल हंटर अभियान में उत्कृष्ट कार्रवाई, रेनवाल थाने के कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां सम्मानित

जयपुर, थिंक राजस्थान

किशनगढ़ रेनवाल। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'म्यूल हंटर' में उत्कृष्ट एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए रेनवाल थाने पर पदस्थापित कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां को सम्मानित किया गया। साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं, राजस्थान, जयपुर के पुलिस महानिदेशक की ओर से उन्हें रिवॉर्ड एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए अभियान में कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां ने ईमानदारी, उत्कृष्टता और समयबद्धता के साथ कार्य किया। उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए यह सम्मान दिया गया। साइबर अपराध के विरुद्ध विशेष अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्थान के कुल 54 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। इनमें 10 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एक उप पुलिस अधीक्षक, तीन पुलिस निरीक्षक, एक उप निरीक्षक, चार सहायक उप निरीक्षक, छह हेड कांस्टेबल और 29 कांस्टेबल शामिल हैं। इनमें रेनवाल थाने के कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां का नाम भी शामिल है। कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां को मिले इस सम्मान से रेनवाल पुलिस थाने सहित पुलिस महकमे में खुशी का माहौल है। रेनवाल थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार यादव सहित स्टाफ कर्मियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी, साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच इस तरह की प्रभावी कार्रवाई को पुलिस की साइबर अपराध रोकथाम मुहिम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मान मिलने के बाद कांस्टेबल सुरेश बिजारनियां ने कहा कि साइबर अपराध लगातार बदलते स्वरूप के साथ सामने आ रहे हैं, ऐसे में तकनीकी जानकारी और त्वरित कार्रवाई बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण तथा संबंधित मामलों में समय पर कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई। पुलिसकर्मियों की सजगता और बेहतर समन्वय से साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीक और नए तरीकों की जानकारी होना आवश्यक है।

कलाई पर बंधेगी हरियाली की डोर, गोबर की राखी देगी पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोबनेर/आसलपुर। रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर सजने वाली राखी इस बार सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की निशानी ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही है। जयपुर ग्रामीण के जोबनेर क्षेत्र के आसलपुर गांव में गाय के गोबर से तैयार की जा रही ईको-फ्रेंडली राखियां परंपरा और प्रकृति के अनूठे संगम का उदाहरण बन रही हैं। आसलपुर स्थित धेनूकृपा गौशाला गोमय केंद्र में रक्षाबंधन के लिए विशेष रूप से गोबर से राखियां तैयार की जा रही हैं। इन्हें आकर्षक एवं पर्यावरण अनुकूल रंगों से सजाया जा रहा है। इन राखियों की खासियत यह है कि इनमें तुलसी, अश्वगंधा, कालमेघ सहित विभिन्न पौधों के बीज भी शामिल किए जाते हैं।

रक्षाबंधन के बाद राखी को मिट्टी में डालने पर इसमें मौजूद बीजों से पौधे उगाए जा सकते हैं। इस तरह भाई की कलाई से उतरी राखी कचरे में जाने के बजाय धरती पर हरियाली का रूप ले सकती है। गोमय केंद्र के संचालक मनोज कुमावत ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य भारतीय परंपरा को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है।

मनोरंजन समाचार

सिंह वर्सेस कौर 2 के साथ शहनाज़ गिल का सपना हुआ सच, ट्रेलर अब रिलीज़

कुछ किरदार सिर्फ रोल नहीं होते, वो किसी पुराने सपने के सच होने जैसा एहसास होते हैं। शहनाज़ गिल के लिए 'सिंह वर्सेस कौर 2' बिल्कुल ऐसा ही एक खास पल है। सालों पहले जब उन्होंने 'सिंह वर्सेस कौर' देखी थी, तब उनके मन में यह ख्याल आया था कि काश किसी दिन वह भी इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनें। फिल्म खत्म होने के बाद भी यह इच्छा उनके दिल में कहीं बनी रही।

अब ओरिजिनल फिल्म के तेरह साल बाद, शहनाज़ की वही मैनिफेस्टेशन सच हो गई है। वह जसनीत कौर बनकर सीक्वल का हिस्सा बनी हैं और एक ऐसे किरदार में नजर आ रही हैं, जो उन्हें एक बिल्कुल नए सिनेमैटिक स्पेस में ले जाता है। हाल ही में रिलीज़ हुआ 'सिंह वर्सेस कौर 2' का ट्रेलर शहनाज़ को इस मौके को पूरे जोश के साथ अपनाते हुए दिखाता है।

शहनाज़ लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं, जो एक परफॉर्मर के तौर पर उन्हें नए रंगों में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका दें।

और जसनीत शायद अब तक उनकी सबसे एक्लेक्टिक जर्नी साबित हो सकती है। रोमांस हो, कॉमेडी हो, एक्शन हो या थ्रिलर, शहनाज़ इस फिल्म के हर रंग के बीच अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराती नजर आती हैं। सीक्वल के साथ फ्रेंचाइज़ी भी एक बड़ा जंप ले रही है। जहां साल 2013 की ओरिजिनल फिल्म एक लोकली रूटेड रोमांटिक कॉमेडी थी, वहीं 'सिंह वर्सेस कौर 2' अपनी दुनिया को काफी बड़े पैमाने पर फैलाती है।

मां बनने के बाद पहली बार पब्लिक में दिखीं कैटरीना कैफ, बढ़े वजन को देखकर ट्रोलर्स ने उड़ाया मजाक

सेलिब्रिटीज की ट्रोलिंग सोशल मीडिया पर एक आम बात बन गई है, जहां उनके पहनावे, बयानों या सार्वजनिक दिखावे पर अक्सर अनावश्यक टिप्पणियां की जाती हैं। इसी बीच अभिनेत्री कटरीना कैफ सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। हाल ही में अभिनेत्री कटरीना कैफ पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में फिल्ममेकर कुकू कोहली के अंतिम संस्कार में पहुंचीं। इस दौरान वह प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े वजन के साथ नजर आईं। उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही कई ट्रोलर्स ने उनके लुक पर कमेंट करना शुरू कर दिया और सवाल उठाने लगे कि एक्ट्रेस को क्या हो गया है।

बता दें कि यह कपल दिवंगत फिल्ममेकर को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचा था और शोकाकुल परिवार से मिलने के बाद श्मशान घाट से रवाना हो गया। कुकू कोहली का मंगलवार (25 अगस्त) को 77 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था। श्मशान घाट पर कैटरीना के लुक की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए, जिससे सोशल मीडिया यूजर्स के एक ग्रुप ने मां बनने के बाद उनके बदले हुए लुक पर कमेंट करना शुरू कर दिया। कुछ कमेंट्स तो बहुत बुरे थे, यूजर्स ने लिखा, "यह बहुत बुरा है, कैटरीना को क्या हो गया?", तो एक ने लिखा, "वह रसगुल्ले जैसी लग रही है।" यह लुक कैटरीना और विक्की के पेरेंट बनने के कुछ महीने बाद आया है। कपल ने 7 नवंबर, 2025 को अपने पहले बच्चे, एक लड़के का स्वागत किया। बता दें कि कटरीना और विक्की ने सितंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। कपल ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में एक छोटी सी शादी में शादी की। मां बनने के बाद, कैटरीना ज्यादातर पब्लिक लाइमलाइट से दूर रही हैं। लेकिन अपने बेटे के बारे में ज्यादा नहीं बताया और न ही अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ज्यादा कुछ शेयर किया है।

अमाल मलिक ने फिल्म म्यूजिक से लिया ब्रेक, बताई वजह, नए साल में होगी वापसी

म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक ने गुरुवार, 27 अगस्त 2026 को X पर बताया कि वह फिल्म म्यूजिक से ब्रेक ले रहे हैं। कंपोजर, जिनका गाना 'ये आवारापन' हाल ही में रिलीज हुई इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' का हिस्सा था। उन्होंने फैंस से गुजारिश की कि वे उन्हें और परेशान न करें। अमाल ने फिल्म म्यूजिक से ब्रेक लेने की वजह बताई है। इस नोट से साफ है कि अमाल के फैंस इस बात से दुखी हैं कि वह फिल्म म्यूजिक से ब्रेक ले रहे हैं, लेकिन वे उन्हें पूरा सपोर्ट भी कर रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करने के कुछ देर बाद अमाल मलिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी अपनी एक तस्वीर शेयर की है।

नेपाल की विनाशकारी बाढ़ पर अनुपम खेर ने जताया दुख, तबाही देख बोले- 'बेबस महसूस कर रहा हूं'

विदेश मंत्रालय (MEA) ने गुरुवार, 27 अगस्त 2026 को बताया कि नेपाल में आई भयानक बाढ़ के बाद 288 भारतीय नागरिक लापता हैं। इस आपदा में 359 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोगों के अभी भी लापता होने की खबर है। यह हाल के वर्षों में नेपाल में आई सबसे बुरी आपदाओं में से एक है। दूसरी ओर, बाढ़ में बंगाली एक्टर्स खराज मुखर्जी और रजताभ दत्ता समेत कई स्टार्स भी फंसे हुए हैं। इस बीच, अनुपम खेर ने नेपाल में हुई तबाही पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बाढ़ की इस त्रासदी ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। अनुपम खेर ने भी इंस्टाग्राम पर एक मैसेज शेयर कर इस स्थिति पर अपना दुख व्यक्त किया। वीडियो संदेश के साथ अनुपम खेर ने लिखा, 'मैं नेपाल के लिए प्रार्थना करता हूं! नेपाल में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही से मैं बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। जानें चली गईं। परिवार उजड़ गए। घर बह गए। बेबस जानवर तबाही की चपेट में आ गए। यह सोचना ही दिल दहला

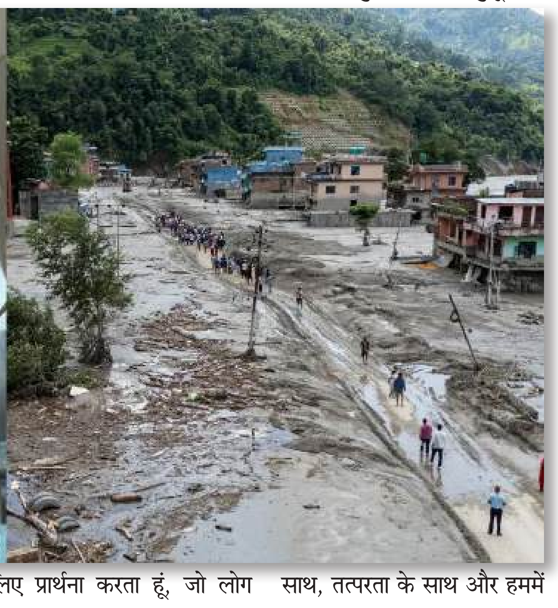

देने वाला है कि कैसे कुछ ही पलों में किसी की अपनी कही जाने वाली हर चीज गायब हो सकती है।' बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों से आ रही तस्वीरों को देखकर महसूस हुई बेबसी के बारे में बात की। 'द कश्मीर फाइल्स' के एक्टर ने आगे कहा, 'इन सीन्स को देखकर मुझे बहुत बेबसी महसूस हो रही है, जिसने अपना कोई करीबी खो दिया हो, उसे दिलासा देने के लिए क्या शब्द हो सकते हैं? मेरा दिल उन दुखी परिवारों और उन सभी लोगों के साथ है जो इस डर और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। मैं नेपाल के लोगों और सीमा पार तिब्बत में प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं, जो लोग अभी भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। उन तक मदद पहुंचे, जो लोग अपने अपनों को ढूंढ रहे हैं, वे उन्हें सुरक्षित पाएं और जिन्होंने सब कुछ खो दिया है। उन्हें सहारा, आश्रय और मदद का हाथ मिले। मुझे उम्मीद है कि दुनिया मदद के लिए एकजुट होगी। सहानुभूति के साथ, तत्परता के साथ और हममें से हर कोई जो कुछ भी दे सकता है उसके साथ। इस अकल्पनीय दुख के समय में आइए हम यह सुनिश्चित करें कि वे खुद को अकेला महसूस न करें।' काम की बात करें तो अनुपम खेर अगली बार 'खोसला का घोसला 2' में दिखाई देंगे। अनुपम खेर, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, परवीन डबास, तारा शर्मा और किरण जुनेजा की यह फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों के लापता होने की सूचना के बाद उनके परिजनों की चिंता भी बढ़ गई है। भारतीय अधिकारियों की ओर से स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर प्रभावित भारतीय नागरिकों की जानकारी जुटाने और उनकी सुरक्षित वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्षाबंधन पर एथनिक फैशन गोल्स दे रही हैं शालिनी पांडे, देखें उनके 5 सबसे खूबसूरत लुक्स

'रक्षाबंधन' सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं, बल्कि पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनकर अपनी संस्कृति और खूबसूरती को सेलिब्रेट करने का भी खास मौका होता है। इस मौके पर हर कोई ऐसे एथनिक लुक्स की तलाश में रहता है, जो ग्रेस, एलिगेंस और फेस्टिव वाइब्स का बेहतरीन मेल हों। अगर आप भी इस रक्षाबंधन अपने स्टाइल को खास बनाना चाहती हैं, तो शालिनी पांडे के ये खूबसूरत एथनिक लुक्स आपके लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन साबित हो सकते हैं। साड़ियों से लेकर खूबसूरत ट्रेडिशनल आउटफिट्स तक, शालिनी ने कई बार साबित किया है कि एथनिक फैशन में उनका अंदाज़ सबसे अलग और बेहद आकर्षक है। इस खूबसूरत एम्बेलिश्ड साड़ी में शालिनी पांडे बेहद शानदार लग रही हैं। साड़ी की हल्की चमक और बारीक कढ़ाई उनके लुक में नज़ाकत और ग्लैमर का बेहतरीन मेल जोड़ रही है। मिनिमल ज्वेलरी और सॉफ्ट मेकअप के साथ उन्होंने इस एथनिक लुक को बेहद ग्रेसफुल और स्टाइलिश बना दिया है। आइवरी रंग के इस खूबसूरत एथनिक आउटफिट में शालिनी बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। सुनहरे डिटेल्स और खूबसूरती से कढ़ाई किया हुआ दुपट्टा उनके लुक में शालीनता जोड़ रहा है, जबकि स्टेटमेंट ज्वेलरी इसे और खास बना रही है। सादगी और पारंपरिक खूबसूरती का यह मेल उन पर खूब जंच रहा है। गहरे लाल रंग की यह साड़ी शालिनी के लुक को बेहद आकर्षक और प्रभावशाली बना रही है। उनकी नाज़ुक ज्वेलरी सही मात्रा में चमक जोड़ती है, जबकि सॉफ्ट लाइटिंग पूरे लुक की खूबसूरती को और निखारती है। यह पारंपरिक अंदाज़ उनके व्यक्तित्व की ग्रेस और स्टाइल को बखूबी दर्शा रहा है। रंगों, परंपरा और खूबसूरती से भरपूर यह लुक शालिनी की एथनिक फैशन चॉइस को खास बना रहा है। प्रिंटेड साड़ी, डिटेल्ड ब्लाउज़ और खूबसूरत टैसल्स मिलकर एक फ्रेश और जीवंत लुक तैयार करते हैं। उनकी मुस्कान इस पूरे अंदाज़ में और भी गर्मजोशी और आकर्षण जोड़ रही है। सफेद साड़ी में शालिनी की खूबसूरती और निखरकर सामने आ रही है। साड़ी पर बने नाज़ुक फ्लोरल डिज़ाइन और सुनहरे बॉर्डर इसे बेहद आकर्षक बना रहे हैं। इसी के साथ सादगी से की गई स्टाइलिंग इस आउटफिट की खूबसूरती को और उभार रही है, जबकि उनके सिंपल ग्रेस ने इस लुक को और यादगार बना दिया है। रक्षाबंधन के मौके पर अगर आप पारंपरिक परिधान में खूबसूरत और आकर्षक नजर आना चाहती हैं, तो शालिनी पांडे के ये अंदाज आपके लिए शानदार प्रेरणा बन सकते हैं। उनके अलग-अलग परिधानों में रंगों, कढ़ाई और पारंपरिक आभूषणों का संतुलित संयोजन देखने को मिलता है, जो त्योहार के लिए सहज और खूबसूरत विकल्प पेश करता है। हल्के रंगों से लेकर गहरे और चटख रंगों तक, शालिनी ने हर तरह के परिधान को अपने अंदाज में बेहद खूबसूरती से अपनाया है। उनकी साड़ी पहनने की शैली खास तौर पर उन महिलाओं के लिए प्रेरणादायक हो सकती है, जो रक्षाबंधन पर पारंपरिक के साथ आधुनिक स्पर्श वाला रूप अपनाना चाहती हैं। साड़ी के साथ हल्के आभूषण और प्राकृतिक रूप-श्रृंगार पूरे व्यक्तित्व को निखारने में मदद करते हैं। वहीं, कढ़ाईदार पारंपरिक परिधान रक्षाबंधन के दिन के लिए एक और शानदार विकल्प हो सकते हैं। सुनहरी कढ़ाई वाले दुपट्टे, आकर्षक आभूषण और सादगीपूर्ण सज्जा त्योहार के अनुरूप गरिमापूर्ण रूप देते हैं। यदि आप कुछ अलग आजमाना चाहती हैं, तो छपी हुई साड़ी के साथ आकर्षक ब्लाउज और पारंपरिक आभूषणों का मेल भी अपनाया जा सकता है। रक्षाबंधन पर परिधान चुनते समय सबसे जरूरी है कि पहनावा आरामदायक होने के साथ आपके व्यक्तित्व के अनुरूप भी हो। शालिनी पांडे के ये रूप यही बताते हैं कि पारंपरिक परिधानों में खूबसूरती

केवल भारी सजावट से नहीं, बल्कि सही रंग, सादगीपूर्ण आभूषण और आत्मविश्वास से भी निखरती है। त्योहार के दिन अपनी पसंद के रंग और अंदाज को अपनाकर आप भी सहजता के साथ आकर्षक और यादगार रूप पा सकती हैं।

नेहा धूपिया ने करण जौहर को तीन बार किया शादी के लिए प्रपोज, हर बार मिला ऐसा जवाब

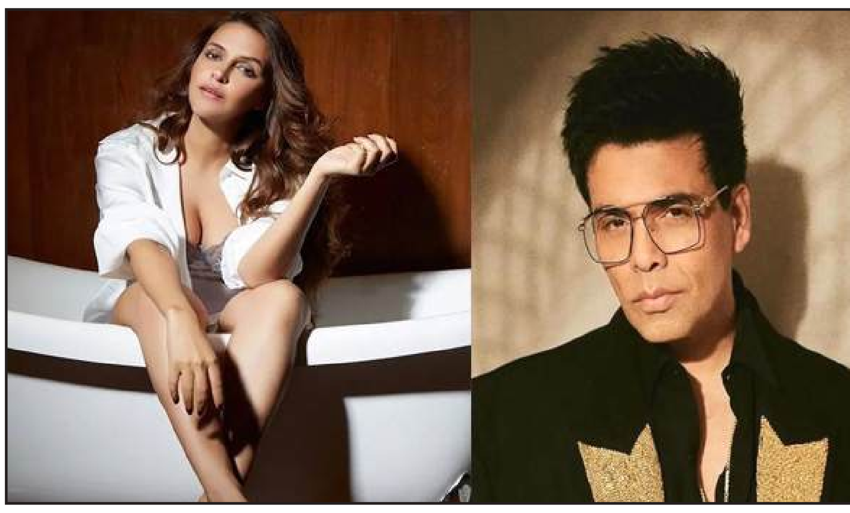

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री नेहा धूपिया पहले मॉडलिंग और ब्यूटी पेजेंट की दुनिया में नजर आईं, फिर उन्होंने फिल्मों में काम किया और बाद में टीवी और पॉडकास्ट होस्ट के तौर पर भी अलग जगह बनाई। उनका शो 'नो फिल्टर नेहा' भी काफी चर्चा में रहा। इस शो में नेहा ने खुद एक इंटरव्यू में करण जौहर से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया था। यह किस्सा करण जौहर को शादी के लिए प्रपोज किए जाने से जुड़ा था। नेहा धूपिया का जन्म 27 अगस्त 1980 को केरल के कोच्चि में हुआ था। उनके पिता भारतीय नौसेना में अधिकारी थे, इसलिए बचपन में परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा।

बाद में नेहा दिल्ली में पली-बढ़ीं। अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने मॉडलिंग की और स्टेज पर भी काम किया। वह विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दीं। नेहा को बड़ी पहचान साल 2002 में मिली, जब उन्होंने फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता। इसके बाद, उन्होंने मिस यूनिवर्स 2002 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता में टॉप 10 में जगह बनाई।

यह उनके करियर का बड़ा मोड़ था। इस जीत के बाद फिल्मों के दरवाजे उनके लिए खुलने लगे। साल 2003 में 'कयामतः सिटी अंडर थ्रेट' से उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनानी शुरू की।

ऑनलाइन अभद्र भाषा बोलने वाले ने श्वेता तिवारी से मांगी माफी, अभिनेत्री ने ट्रोल को ट्रैक करने के लिए मनसे सदस्य का किया धन्यवाद

अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मौजूद कुछ ऐसे कमेंट्स और मैसेज सामने रखे, जिनमें महिलाओं के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इस मामले को लेकर अभिनेत्री ने सवाल उठाया कि आखिर सोशल मीडिया पर महिलाओं को इस तरह अपमानित कब तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनकी पोस्ट के बाद महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) की सदस्य स्नेहल अडारकर ने उनसे संपर्क साधा और मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की। कुछ दिन पहले श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे कमेंट्स के स्क्रीनशॉट और स्टोरीज शेयर की थीं, जिनमें कुछ पुरुष महिलाओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। श्वेता ने उन लोगों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी शेयर किए थे। उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार उन लोगों के लिए सही है, जो खुद को मनसे प्रमुख राज ठाकरे का समर्थक बताते हैं। इसके बाद मनसे की सदस्य स्नेहल अडारकर ने श्वेता से संपर्क किया।

अभिनेत्री ने बताया कि स्नेहल ने उनसे साफ कहा कि पार्टी महिलाओं के खिलाफ इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं करती और न ही ऐसे व्यवहार को पसंद करती है। पोस्ट में जिन लोगों का जिक्र किया गया था, वे मनसे के सदस्य नहीं थे।

श्वेता ने कहा, ''स्नेहल ने कहा कि वह इस मामले में शामिल लोगों को ढूंढने की कोशिश करेंगी और इसके लिए कुछ दिन का समय मांगा था। इसके बाद महज तीन दिनों के अंदर स्नेहल ने उन्हें उस व्यक्ति का फोन नंबर भेजा, जो इस मामले में शामिल था। साथ ही उस व्यक्ति की ओर से हाथ से लिखा माफी पत्र भी शेयर किया गया।''

श्वेता ने इस पूरी कोशिश के लिए स्नेहल अडारकर और मनसे की टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात की सराहना करती हूं कि टीम ने इस मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की। मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि किसी ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपमान को गंभीरता से लिया।

सार समाचार

नेपाल बाढ़ में मृतकों की संख्या 270, 800 लोगों से नहीं हो पाया संपर्क

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने गुरुवार दोपहर पुष्टि की कि बुधवार को आए विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या 270 तक पहुंच गई है और नदी के बहाव की दिशा में पड़ने वाले कई जिलों से अभी भी शव बरामद किए जा रहे हैं। चीन के तिब्बती इलाके से शुरू हुई जबरदस्त बाढ़ सीमा पार बहने वाली भोटेकोशी नदी से होते हुए नेपाल में तबाही मचाती हुई गुजरी।

पुलिस के अनुसार, सबसे ज्यादा 108 शव दक्षिणी मैदानी इलाकों के चितवन जिले से बरामद किए गए, इसके बाद नवलपरासी ईस्ट से 62, धाडिंग से 27 और रसुवा से 17 शव मिले।

नेपाल की सरकार ने कहा कि बाढ़ के कारण रिहायशी इलाकों, पनबिजली परियोजनाओं, कस्टम कार्यालयों और बिजली के बुनियादी ढांचे तहस-नहस हो गए और इस वजह से 800 से ज्यादा लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस बीच, निजी क्षेत्र के बिजली डेवलपर्स संगठन 'इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, नेपाल' (आईपीपीएएन) ने कहा कि अलग-अलग पनबिजली परियोजनाओं में काम करने वाले कई कर्मचारी लापता हैं। बन रही 216-मेगावाट की 'अपर त्रिशूली-1 पनबिजली परियोजना' में काम करने वाले 'एंड्रिट्ज हाइड्रो' के 76 कर्मचारी लापता हैं। इनमें से लगभग आधे नेपाली और आधे विदेशी नागरिक हैं।

परियोजना डेवलपर 'नेपाल वॉटर एंड एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी' के 11 कर्मचारी भी लापता हैं। परियोजना पर काम कर रहे आठ दक्षिण कोरियाई नागरिक भी इस मिसिंग लिस्ट में शामिल हैं।

अल्जीरिया के जंगलों में लगी भीषण आग: 12 की मौत, गृहमंत्री ने लिया रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के पूर्वोत्तर हिस्से में भीषण जंगल की आग ने तबाही मचा दी है। प्रशासन के अनुसार, आग की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर गृह मंत्री सईद सयूद ने गुरुवार को बेजाया और फिर जिजेल प्रांत का दौरा किया। घायलों को अस्पताल में देखने पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। सिन्हुआ के अनुसार, अल्जीरिया के गृह मंत्री सईद सयूद ने बताया कि मृतकों में जिजेल प्रांत में पांच, बेजाया में चार और तिजी ओउजौ में तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बेजाया के सौक एल थेनाइन शहर के एक अस्पताल का दौरा कर आग में झुलसे और धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज का जायजा लिया। अधिकारियों के अनुसार, अत्यधिक तापमान ने आग के फैलने का खतरा बढ़ा दिया है।

नेपाल में आई त्रासदी में भारत को पड़ोसी देश की भूमिका निभानी चाहिए : शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कहा कि यह जरूरी है कि भारत नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के संकट पर तुरंत प्रतिक्रिया दे और इस मुश्किल समय में पड़ोसी देश को जो भी मदद चाहिए, वह उपलब्ध कराए। शशि थरूर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि भारत इस त्रासदी पर तुरंत प्रतिक्रिया दे। जैसा कि आप जानते हैं, हमारे प्रधानमंत्री ने अपने समकक्ष से बात की। हमने तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराई और हमें उम्मीद है कि और मदद भी आएगी।"

उन्होंने कहा कि नेपाल को वह सारी मदद मिलनी चाहिए जिसकी उसे जरूरत है, क्योंकि बाढ़ से हुई तबाही बहुत भयानक है। उन्होंने आईएएनएस को बताया, "सबसे जरूरी बात यह है कि नेपाल को वह सारी मदद मिले जिसकी उसे जरूरत है। तबाही बहुत भयानक रही है। न केवल लोगों की जान गई है बल्कि गांव भी बर्बाद हो गए हैं। 18 पुल बह गए हैं, हाईवे प्रभावित हुए हैं और आठ हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर स्टेशन क्षतिग्रस्त हुए हैं। यह बहुत गंभीर स्थिति है।" थरूर ने कहा कि स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है क्योंकि कई लोग अभी भी लापता हैं, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि मरने वालों की अंतिम संख्या काफी बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, "इन सबके अलावा, अभी भी बहुत से लोग लापता हैं। मरने वालों की अंतिम संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है। हमें अब तक केवल 160 मौतों की पुष्टि हुई है।"

नेपाल में सैकड़ों शव मिलने से बढ़ी चुनौती, चितवन में 50 डेड बॉडी रखने की क्षमता, अब तक 130 से ज्यादा बॉडी मिल चुकीं

नेपाल में भयंकर बाढ़ के बाद शवों का प्रबंधन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। यहां शव मिलने का सिलसिला जारी है। अब तक लगभग 400 लोगों के शव मिल चुके हैं। सैकड़ों शवों के प्रबंधन में चुनौती बढ़ गई है। शव मिलने का क्रम लगातार जारी है। शव दूर-दूर तक बह जाने के कारण एक ओर जहां खोज एवं बचाव अभियान जटिल बन गया है, वहीं दूसरी ओर पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज (शवगृह) की कमी के कारण शवों के प्रबंधन में भी चुनौती बढ़ गई है। चितवन में मौजूद स्वास्थ्य संस्थानों में अधिकतम 50 शव रखने की क्षमता है। लेकिन बरामद शवों की संख्या 130 को पार कर चुकी है।

नियमों के अनुसार शव का विस्तृत विवरण जुटाने, तस्वीरें लेने और पहचान से जुड़े अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के बाद ही शव का प्रबंधन किया जाना चाहिए। इसी वजह से प्रशासन के सामने चुनौती और बढ़ गई है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के वरिष्ठ फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. गोपाल चौधरी के अनुसार, ऐसी बड़ी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान शव मिलते ही जल्दबाजी में अंतिम संस्कार नहीं किया जाना चाहिए।

आपदा के समय शवों के प्रबंधन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक और दिशा-निर्देश मौजूद हैं। डॉ. चौधरी कहते हैं, "सबसे पहले यह महत्वपूर्ण है कि शव को सुरक्षित कैसे रखा जाए। शव कहां मिला? किस स्थिति में मिला? शरीर पर किस तरह के पहचान चिह्न हैं? इन सभी विवरणों को व्यवस्थित रूप से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए।"

डॉ. चौधरी के अनुसार, नेपाल के अधिकांश अस्पतालों में एक साथ सैकड़ों शवों को रखने की क्षमता वाले पर्याप्त शवगृह (कोल्ड स्टोरेज) उपलब्ध नहीं हैं। इसी वजह से शवों को सुरक्षित रखने में परेशानी आ रही है। कई लोग घंटों तक मलबे में दबे रहे। इसके बाद उनके शव निकाले गए हैं। ऐसे में उनके शवों को सुरक्षित रख पाना और भी मुश्किल है, क्योंकि ऐसे शव जल्दी बदबू देने लगते हैं।

नेपाल में अगले 3 दिनों में फिर आ सकती है तबाही? चीन ने दी चेतावनी, मृतकों की संख्या 469 पहुंची

नेपाल और चीन ने गुरुवार को हिमालय में फिर से बाढ़ आने के खतरे की चेतावनी दी। दोनों देशों की सीमा के दोनों ओर दो झीलें बन गई हैं, जिससे उनके फटने का डर पैदा हो गया है, जबकि यह इलाका इस हफ़्ते आई भयानक बाढ़ से उबरने की कोशिश कर रहा है। नेपाल की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि बाढ़ वाली जगह पर मलबे से नदी का रास्ता रुकने के कारण बनी झील का जलस्तर बढ़ रहा है और उसके फटने का खतरा है। आज की ताजा खबरों के मुताबिक इस प्राकृतिक आपदा में मृतकों की संख्या 469 तक पहुंच गई है। काठमांडू स्थित 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट' में जलवायु और पर्यावरण जोखिम विभाग के प्रमुख और जलवायु विशेषज्ञ कियांगगोंग झांग ने कहा कि नेपाल-चीन सीमा पर नदी के ऊपरी हिस्से में मलबे के कारण रुकावट का मतलब है कि दूसरी बाढ़ "कभी भी आ सकती है"।

नेपाल और तिब्बत में बचावकर्मी अभी भी जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार को आई अचानक बाढ़ ने घरों को तबाह कर दिया, पुल बहा दिए और सड़कों को पानी में डुबो दिया। मरने वालों की संख्या बढ़कर 400 के करीब पहुंच गई है और 1,400 से ज़्यादा लोग अभी भी लापता हैं। नेपाल पुलिस ने पुष्टि की है कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर के टूटने और भूस्खलन के कारण आई भयानक अचानक बाढ़ और मलबे के भारी बहाव से मरने वालों की संख्या बढ़कर 389 हो गई है। इस हादसे में से कई विदेशी थे जो ट्रेकिंग, गाइडेड टूर या किसी पवित्र हिंदू स्थल की तीर्थयात्रा के लिए वहां गए थे। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि अब तक 50 विदेशियों को हवाई मार्ग से बचाया गया है।

सैलाब के बाद अब नेपाल में भूकंप से हिली धरती, रिक्टर स्केल पर कितनी रही तीव्रता?

नेपाल में विनाशकारी सैलाब के बाद तबाही का डरावना मंजर देखने को मिल रहा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, नेपाल में तिब्बत की ओर से अचानक आई बाढ़ के कारण नेपाल में अब तक 350 से ज्यादा लोगों की मौत कंफर्म हो चुकी है। भोटेकोशी नदी में आए फ्लैश फ्लड ने नेपाल के 8 जिलों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। अभी इस त्रासदी में 900 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं जिनमें 290 भारतीय हैं। इस तबाही के बीच गुरुवार को नेपाल में भूकंप के भी झटके महसूस किए गए हैं। इस भूकंप की तीव्रता 3.2 बताई जा रही है। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की रात नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई है। जानकारी के अनुसार, ये भूकंप गुरुवार 27 अगस्त 2026 को रात 9 बजकर 18 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र धरती से 10 किलोमीटर की गहराई में बताया गया है। आपको बता दें कि नेपाल में लगातार आपदाएं देखने को मिलती रहती हैं। नेपाल के अलावा गुरुवार को तिब्बत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ये भूकंप और भी तेज तीव्रता का था। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी ने जानकारी दी है कि तिब्बत में 8 बजकर 15 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ये भूकंप रात को 8 बजकर 15 मिनट पर आया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 मापी गई है। इस भूकंप का भी केंद्र धरती से 10 किलोमीटर की गहराई में था। दरअसल, नेपाल और तिब्बत में स्थित लैंगटांग लिरुंग माउंटेन रेंज में तिब्बत की तरफ करीब 5200 मीटर ऊंचाई पर ग्लेशियर का एक हिस्सा टूट गया। ग्लेशियर का निचला हिस्सा टूटकर लगभग 1200 मीटर नीचे घाटी में गिरा। ग्लेशियर के मलबे ने ल्हेंडे रीवर का रास्ता ब्लॉक कर दिया। नदी का रास्ता रुकने से वहां एक अस्थायी बांध बना। पानी बढ़ता गया, प्रेशर बनता गया। जब पानी का प्रेशर ज्यादा बन गया तो अस्थायी बांध टूट गया। बांध टूटने से कीचड़, चट्टानों और मलबे की विशाल लहर नीचे की ओर बहने लगे। ल्हेंडे तिब्बत से निकलने वाली एक सहायक नदी है, जो नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवागढ़ी और तिमुरे के आसपास भोटेकोशी नदी में मिलती है। ग्लेशियर के ढहने से सारा मलबा भोटेकोशी नदी में गया। भोटेकोशी नदी तिब्बत से नेपाल में एंटर करती है, और रसुवा जिले से होकर बहती है।

नेपाल की सांसद बोलीं 'मुश्किल वक्त में हमारा साथ देने के लिए पीएम मोदी का आभार'

काठमांडू। नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर पीएम बालेंद्र शाह को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सांसद और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की नेता विदूषी राणा ने ये 'भरोसा' देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। राणा ने आईएएनएस से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा, "मैं वास्तव में पीएम मोदी की बहुत आभारी हूं क्योंकि जैसे ही यह घटना हुई, उन्होंने दिल छू लेने वाला बयान दिया । पीड़ित परिवारों और देश के प्रति संवेदना संदेश भेजा, वो प्रशंसनीय है। हमें भारत से पहले ही बहुत सारी राहत सामग्री मिल चुकी है। हर बार जब कोई आपदा आती है, तो हमें भारत से मदद मिलती है।" विदूषी राणा ने स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि पूरा देश इस समय बेहद दुखद दौर से गुजर रहा है और सरकार बचाव एवं राहत अभियानों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा, "जो कुछ हुआ है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने पूरी रात लोगों और उन परिवारों के बारे में सोचते हुए बिताई, जो अपने बच्चों और प्रियजनों के लापता होने से परेशान हैं।

हम बस अच्छी खबर आने और यह जानने की उम्मीद कर रहे हैं कि सब ठीक है।" राणा ने मौजूदा स्थिति को बेहद विनाशकारी बताते हुए कहा कि 2015 के नेपाल भूकंप के बाद यह देश की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस घटना से बेहद दुखी है, लेकिन सरकार तत्काल सक्रिय होकर राहत और बचाव कार्यों में जुट गई है। उन्होंने कहा, "मैं नेपाल की सांसद भी हूं और हमने बचाव के लिए काफी काम शुरू कर दिया है। इस समय हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण काम बचाव अभियान चलाना है।" वहीं, भारत और नेपाल के संबंधों पर बात भी राणा ने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे पड़ोसी देश के साथ अपने संबंधों को पर नेपाल को नाज है। उन्होंने कहा कि मीडिया में सामने आ रहे दृश्य आ रहे हैं, जो बहुत डरावने हैं।

अमेरिका के 11 सांसदों की पाकिस्तान से अपील, ईसाई महिला नेहा फकीर के अधिकारों की करें रक्षा

अमेरिका के 11 सांसदों के एक समूह ने पाकिस्तान से उस ईसाई महिला के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया है, जिसका कथित तौर पर अपहरण कर उसे इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए मजबूर किया गया। कांग्रेस सदस्य क्रिस स्मिथ ने पाकिस्तान सरकार से 18 वर्षीय ईसाई महिला नेहा फकीर की सुरक्षा और मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। आरोप है कि मार्च में उसका अपहरण किया गया और बाद में उसका धर्म परिवर्तन कराकर उसे इस्लाम कबूल कराया गया। नेहा के परिवार की ओर से उसे वापस लाने की मांग को लेकर दायर याचिका को पाकिस्तान की एक अदालत ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस सदस्य स्मिथ ने कहा, 'नेहा फकीर के लापता होने और उसके बाद धर्म परिवर्तन की परिस्थितियां उसकी सुरक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और बिना किसी दबाव या डर के अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने की उसकी क्षमता को लेकर बेहद गंभीर सवाल खड़े करती हैं।' स्मिथ और कांग्रेस के 10 अन्य सदस्यों ने पाकिस्तान के संघीय कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार को पत्र भेजकर फकीर के मामले पर चिंता जताई और 'पाकिस्तान सरकार से इस मामले का उचित समाधान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने' की अपील की। पत्र में दोनों दलों के सांसदों ने पाकिस्तानी अधिकारियों से अपनी न्यायिक व्यवस्था के तहत आवश्यक कदम उठाने की मांग की, ताकि फकीर की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके तथा उसे स्वतंत्र कानूनी सलाहकार से गोपनीय रूप से संपर्क करने की सुविधा मिले।

नेपाल बाढ़: 178 भारतीय लापता, टूरिज्म बोर्ड की मिसिंग लिस्ट में कुल 644 पर्यटक शामिल

काठमांडू । नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने बुधवार को फ्लैश फ्लड में कुल 644 पर्यटकों (517 विदेशी) के लापता होने की जानकारी दी है। इससे पहले जारी की गई प्रारंभिक लिस्ट में कुल 291 विदेशी पर्यटकों से संपर्क न हो पाने की बात कही गई थी। सूची के मुताबिक नेपाल समेत 33 देशों के नागरिक लापता हैं। इनमें भारत के कुल 178 लोग शामिल हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एनटीबी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग और गोरखा में भोटे कोशी और त्रिशूली नदियों में आई भयानक बाढ़ के बाद, नेपाल सरकार के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नेपाल पर्यटन बोर्ड, पर्यटक पुलिस और पर्यटन से जुड़े लोग उन पर्यटकों और यात्रियों की जानकारी और स्थिति का पता लगाने में जुटे हैं जो बाढ़ पीड़ित इलाकों में थे या वहां से यात्रा कर रहे थे।

घायल और फंसे हुए लोगों को रेस्क्यू करने की पूरी कोशिश की जा रही है। इस सूची का आधार ट्रैकिंग और ट्रैवल कंपनियों से मिली प्रारंभिक जानकारी है। आपदाग्रस्त इलाकों से 644 पर्यटकों के लापता होने की खबर है। इनमें नेपाली सैलानी भी हैं। अपडेट की गई लिस्ट में बताया गया है कि ट्रैवल एजेंसियों, गाइडों, स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर इस जानकारी की पुष्टि और जांच की जा रही है। बोर्ड के अनुसार, भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे बसे चार जिलों के नदी-तट वाले इलाकों में भारी तबाही मची है जबकि अन्य इलाके सुरक्षित हैं।

नेपाल में जलप्रलय क्यों आया, बार बार क्यों आती हैं बड़ी बड़ी प्राकृतिक आपदाएं 10 प्वाइंट्स में जानें

नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित रसुवा ज़िले में भोटेकोशी-ल्हेन्डे खोला सिस्टम के पास अचानक आई ज़बरदस्त बाढ़ ने घरों, सड़कों, पुलों और ज़रूरी बुनियादी ढांचों को तबाह कर दिया। इसके बाद मरने वालों की संख्या तेज़ी से बढ़कर 300 के करीब पहुंच गई है, जबकि सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया था कि शायद भूकंप की वजह से बर्फ़ खिसकी थी, लेकिन बाद में सैटेलाइट की तस्वीरें और जियोलॉजिकल जांच से पता चला कि इसकी वजह टेक्टोनिक भूकंप नहीं, बल्कि ग्लेशियर/बर्फ़ का गिरना और मलबे का तेज़ी से नीचे आना था। भूकंप, बाढ़ और भूस्खलन, आखिर नेपाल में बार-बार ऐसी आपदाएं क्यों आती रहती हैं? नेपाल में बार बार आपदाएं आने की वजह दो टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने, पहाड़ों की ऊबड़-खाबड़ बनावट, बर्फ़ वाले इलाकों (क्रायोस्फीयर) के गर्म होने, ज़बरदस्त मॉनसून बारिश, अस्थिर ढलानों और तंग घाटियों में बने इंफ्रास्ट्रक्चर है। इस वजह से इस देश में बड़े भूकंप और प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा आती हैं। भूकंप का खतरा-इंडियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स अभी भी एक-दूसरे की ओर बढ़ रही हैं और टकरा रही हैं। इंडियन प्लेट, यूरेशियन प्लेट की ओर लगभग 20-21 मिमी प्रति वर्ष की गति से बढ़ रही है। यह टकराव लगभग 5 करोड़ साल पहले शुरू हुआ था और आज भी जारी है, जिससे हिमालय के नीचे पृथ्वी की ऊपरी परत (क्रस्ट) में लगातार बदलाव और दबाव पैदा हो रहा है। इसी वजह से नेपाल में भूकंप का खतरा बहुत ज़्यादा रहता है। तेज़ी से हो रहे शहरीकरण से खतरा और बढ़ सकता है। भूस्खलन से किसी बस्ती तक जाने वाली एकमात्र सड़क बंद हो सकती है।

खेल समाचार

लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन दो खिलाड़ियों ने बचाई इंग्लैंड की लाज, पाक गेंदबाजों ने झटके 9 विकेट

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीता और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इस मैच में इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले दिन बारिश और खराब रौशनी की वजह से सिर्फ 56 ओवर का खेल हो पाया और इस दौरान इंग्लैंड की टीम 248 रन बनाने में कामयाब रही और उनकी टीम 9 विकेट गंवा चुकी थी। पहले दिन जॉर्डन कॉक्स और जेमी स्मिथ ने अर्धशतक लगाकर टीम को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इस मैच के लिए पूरी तरह से फिट नहीं थे। वह 90 प्रतिशत फिट होने के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच खेलने उतरे। उन्होंने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो उनकी टीम के लिए सही साबित हुआ। पाकिस्तान के गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शुरुआती ओवरों में ही इंग्लैंड को जोरदार झटके दिए। उन्होंने 5वें ओवर में 21 रन के कुल स्कोर पर एमिलियो गे (8 रन) को आउट करके इंग्लैंड की सलामी जोड़ी को तोड़ा। इसके बाद अब्बास ने बेन डकेट (17 रन) को पवेलियन भेजा। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा इंग्लैंड के कप्तान जो रूट थे, लेकिन अब्बास ने 11वें ओवर में उन्हें भी आउट कर मैच पर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत कर दी। वह सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर से मोहम्मद अली ने हैरी ब्रूक को 15 रन पर आउट किया, जबकि डेन लॉरेंस रन आउट हो गए। इस तरह शानदार गेंदबाजी के चलते महज 120 रन के स्कोर पर इंग्लैंड के 5 बड़े बल्लेबाज आउट होकर वापस लौट चुके थे। यहां से ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम 200 रन के अंदर ही ऑलआउट हो जाएगी। इसके बाद जॉर्डन कॉक्स और जेमी स्मिथ ने अर्धशतक लगाकर इंग्लैंड की पारी को संभाला और पहले दिन टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए कॉक्स ने 105 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 55 रन बनाए, जबकि स्मिथ ने 80 गेंदों पर 10 चौकों के साथ 61 रनों की अहम पारी खेली। पहले दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 9 विकेट खोकर 248 रन बना लिए थे। क्रीज पर गस एटकिंसन 34 रन बनाकर डटे हुए हैं। इंग्लैंड की कोशिश होगी कि वह अगले दिन अपने स्कोर को 300 रन के पार ले जाए। दूसरे दिन इंग्लैंड की नजरें पहली पारी को जल्द से जल्द संभालकर मजबूत स्कोर खड़ा करने पर होंगी। पहले दिन शुरुआती झटकों के बाद जॉर्डन कॉक्स और जेमी स्मिथ की पारियों ने टीम को राहत दी, लेकिन नौ विकेट गिरने के कारण पाकिस्तान के गेंदबाज अब पारी को समाप्त करने की स्थिति में हैं। गस एटकिंसन के क्रीज पर टिके होने से इंग्लैंड के पास स्कोर को और आगे बढ़ाने का मौका है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास का प्रदर्शन पहले दिन सबसे अहम रहा। नई गेंद से उन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को लगातार दबाव में रखा और महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। कप्तान बाबर आजम के लिए भी यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद उन्होंने टीम की कमान संभाली और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चिंता उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन रहा।

क्या सच में चोटिल हैं सिराज? तेज गेंदबाज के फॉर्म और चोट को लेकर कप्तान गिल ने किया बड़ा खुलासा

श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था। इस सीरीज में उनके स्पीड में भी गिरावट देखने को मिली और वह लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे। इस सीरीज में सिराज कई बार छोटे रन-अप के साथ गेंदबाजी करते नजर आए। पहली पारी में कैच लेने की कोशिश के दौरान वह जमीन पर भी गिर गए थे जिसके बाद उनकी चोट को लेकर भी सवाल उठे। इस बीच टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने सिराज के फॉर्म और चोट को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने साफतौर पर कहा कि सबसे पहली बात, सिराज को कोई चोट नहीं लगी है। गॉल में खेले गए पहले मैच में भी उनकी तबीयत थोड़ी खराब थी। वो आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले थे, यानी लगभग दो महीने के लंबे ब्रेक के बाद वह मैदान पर लौटे हैं। जब कोई खिलाड़ी इतने समय बाद खेलता है, तो उसे अपनी पुरानी लय और फॉर्म वापस पाने में थोड़ा वक्त तो लगता ही है। भारतीय कप्तान ने आगे कहा कि पहले मैच में भी हमें लगा कि सिराज की गेंदबाजी में वो पुरानी रफ्तार नहीं थी। लेकिन जब आप लगातार खेलते रहते हैं, तो धीरे-धीरे अपनी लय और फॉर्म वापस पा लेते हैं। इसलिए उनकी चोट को लेकर घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। आपको बता दें कि जब सिराज लय खोजने में संघर्ष कर रहे थे, तब साथी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने गेंदबाजी की कमान अच्छे से संभाली। गिल ने प्रसिद्ध कृष्णा के शानदार खेल की भी खुलकर तारीफ की। शुभमन गिल ने कहा कि मुझे लगता है कि वह हमारे बेस्ट गेंदबाजों में रहे हैं। जब चीजें हमारे पक्ष में नहीं हो रही होतीं, तो खासकर इस सत्र में वह हमारे भरोसेमंद गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने मौके बनाए हैं और कप्तान के तौर पर मैं यही चाहता हूं। जब विकेट की गारंटी नहीं हो, तब हमें ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है जिस पर भरोसा किया जा सके।

उन्होंने यह काम शानदार तरीके से किया। शुभमन गिल के बयान से साफ है कि टीम प्रबंधन मोहम्मद सिराज की मौजूदा लय को लेकर चिंतित नहीं है।

अनुष्का शर्मा संभालेंगी टी20 में भारतीय-ए टीम की कप्तानी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी तीन मैचों की घर पर सीरीज

भारतीय महिला ए क्रिकेट टीम को सितंबर महीने में घर पर ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में सीरीज खेलनी है, जिसमें सबसे पहले तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

वहीं इसके बाद दोनों टीमों के बीच में तीन वन-डे मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलियाई-ए महिला टीम के इस दौरे का अंत धर्मशाला के स्टेडियम में 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक होने वाले चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैच के साथ होगी।

बीसीसीआई की तरफ से इन तीनों सीरीज के लिए भारतीय महिला ए के स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें टी20 सीरीज में कप्तानी की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ी अनुष्का शर्मा को सौंपी गई है।

वहीं वह वन-डे और चार दिवसीय मैच की सीरीज में उपकप्तानी की जिम्मेदारी को संभालेंगी।

बीसीसीआई की तरफ से ऑस्ट्रेलिया-ए महिला टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए घोषित किए गए तीनों सीरीज के भारतीय-ए स्क्वाड को लेकर बात की जाए तो उसमें टी20 सीरीज में अनुष्का शर्मा कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली हैं, जिसमें उनके अलावा सयाली सतघरे को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने जर्मनी को दी मात, पिछले 52 सालों में किया अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ से पहले ही बाहर हो गई थी। टीम इंडिया ने 27 अगस्त को 5वीं पोजीशन के लिए हुए मुकाबले में जर्मनी की महिला टीम का सामना किया जिसको वह जीतने के साथ पिछले 52 सालों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहीं। भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी के खिलाफ 5वीं पोजीशन के मैच को 3-1 से अपने नाम किया जिसमें नवनीत कौर ने अहम भूमिका अदा की जो दो गोल करने में कामयाब रही, तो वहीं इस मैच में इशिका ने भी एक गोल किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम जो काफी लंबे समय के बाद हॉकी वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब रही उसका पिछले 52 सालों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला।

टीम इंडिया ने इस टूर्नामेंट में कुल 5 मैच खेले जिसमें उनको सिर्फ संयुक्त मेजबान नीदरलैंड के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा तीन मैच जहां ड्रॉ रहे तो वहीं एक मुकाबला वह जीतने में कामयाब रही।

भारतीय महिला टीम ने इससे पहले साल 1974 में अजिंदर कौर की कप्तानी में पहले विश्व कप में चौथे स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था।

यूएस ओपन: मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता

न्यूयॉर्क। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लय पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाइब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाइब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुब्लेव पर टाइब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, "मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी।"

आर प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास, ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले बने पहले भारतीय

आर प्रज्ञानानंद ने सेंट लुइस में इतिहास रचते हुए ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम कर लिया है। वे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। फाइनल मुकाबले में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फैबियानो कारुआना को 15-13 से हराया।

चेन्नई के रहने वाले इस युवा ग्रैंडमास्टर ने 6 अंकों से पिछड़ने के बावजूद हार नहीं मानी और अंत में जबरदस्त वापसी करते हुए मैच को पलट दिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्हें अपनी पहली ट्रॉफी और लगभग 2 करोड़ रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। हाल ही में उन्होंने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया था। टूर्नामेंट के अंतिम दिन की शुरुआत में फैबियानो कारुआना 6 अंकों से आगे थे, जिससे प्रज्ञानानंद के सामने पिछड़ने के बाद वापसी करने की बड़ी चुनौती थी। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दोनों रैपिड मैच जीत लिए और बढ़त बना ली।

इसके बाद ब्लिट्ज सेक्शन में भी उन्होंने इस बढ़त को बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच ब्लिट्ज मैच बराबरी पर खत्म हुआ।

इसके साथ ही प्रज्ञानानंद ने 15-13 के स्कोर के साथ आसानी से खिताब अपने नाम कर लिया। पहला ब्लिट्ज मैच प्रज्ञानानंद के लिए अच्छा नहीं रहा। उनके पास जीतने का अच्छा मौका था, लेकिन समय की कमी की वजह से हड़बड़ी के कारण उनसे एक गलती हो गई।

इससे उनकी स्थिति खराब हो गई थी, लेकिन कारुआना भी इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए और आखिरकार मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। मैच के पहले क्लासिकल गेम में कारुआना पूरी तरह हावी रहे और उन्होंने 6-0 से जीत दर्ज की। बुधवार को हुआ दूसरा क्लासिकल गेम 3-3 की बराबरी (ड्रॉ) पर छूटा। इस वजह से अंतिम दिन के रैपिड और ब्लिट्ज मैचों से ठीक पहले कारुआना प्रज्ञानानंद से पूरे 6 पॉइंट आगे थे।

चेल्सी ने फुलहम को 3-2 से हराया, मैनेजर जाबी अलोंसो की शानदार शुरुआत

चेल्सी ने सोमवार को हुए एक रोमांचक मुकाबले में फुलहम पर 3-2 की जीत दर्ज की। चेल्सी की जीत में कोल पामर की भूमिका अहम रही। वहीं, चेल्सी के साथ जाबी अलोंसो के करियर की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में हुई। चेल्सी के लिए जोआओ पेड्रो ने मैच के पहले मिनट में गोल किया। फुलहम की तरफ से जोश किंग ने 23वें मिनट में गोल किया और टीम को बराबरी पर ले आए। इसके बाद चेल्सी के लिए लगातार 2 गोल हुए।

मॉर्गन रोजर्स ने 41वें और कोले पामर ने 49वें वें मिनट में गोल किया। पामर के गोल के बाद चेल्सी की बढ़त 3-1 की हो गई थी। लेकिन, फुलहम की तरफ से गोंजालिजो ग्रेसिया ने 54वें मिनट में गोल कर फुलहम की वापसी की उम्मीदों को जिंदा किया। हालांकि, इसके बाद टीम की तरफ से और कोई गोल नहीं हो सका और फुलहम को चेल्सी ने 3-2 से हरा दिया। चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो के बतौर कोच सफर की शुरुआत शानदार रही। उन्होंने चेल्सी के अटैक की क्वालिटी का इस्तेमाल किया और उन्होंने सेटअप को अपनी तेजी दिखाने का मौका दिया। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को अभी भी सिस्टम के हिसाब से ढलने की जरूरत है, लेकिन कुल मिलाकर यह अच्छे संकेत हैं।

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्ज़के (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड, जोशुआ बिशप और कियोन गैस्टन ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाए थे। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने नाबाद शतक लगाया। दाएं हाथ के इस विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ने मात्र 61 गेंदों पर 5 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसके अलावा, चरिथ असलांका ने 21 गेंदों पर 33, जॉन कैंपबेल ने 17 गेंदों पर 27 और कामिल पूरन ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए। त्रिनबागो नाइट राइडर्स की तरफ से सुनील नरेन, उस्मान तारिक और किरोन पोलार्ड ने 1-1 विकेट लिए।

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप: जर्मनी को 3-1 से रौंदकर भारत ने हासिल किया 5वां स्थान

एमस्टेलवीन। एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में गुरुवार को 5वें-6वें स्थान के लिए हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने जर्मनी को 3-1 से मात देकर अपने ऐतिहासिक अभियान का समापन किया। दुनिया की पांचवें स्थान की टीम जर्मनी के खिलाफ इस शानदार जीत के साथ भारत को पांचवां स्थान मिला। यह साल 1974 में खेले गए पहले विमेंस वर्ल्ड कप के बाद से एफआईएच वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उस विश्व कप में भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी। गुरुवार को नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में खेले गए इस मैच के शुरुआती 30 मिनट तक कोई गोल नहीं हो सका, लेकिन तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार आक्रामक खेल दिखाया। नवनीत कौर ने 2 और इशिका ने 1 गोल करके यादगार जीत सुनिश्चित की। शुरुआत में दोनों टीमों ने सावधानी बरती, हालांकि इस बीच जर्मनी का बॉल पर अधिक कब्जा रहा, लेकिन धीरे-धीरे भारत ने अपनी लय पकड़ी। 11वें मिनट में जर्मनी गोल के करीब पहुंची। जोहाना हैचेनबर्ग ने रिवर्स हिट की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंडर ने समय रहते उसे रोक दिया।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर इन चीजों को बनाएं डाइट का हिस्सा, डॉक्टर ने बताया फायदा

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल का स्तर बढ़ना हार्ट हेल्थ के लिए चिंता का विषय हो सकता है। इसको मैनेज करने के लिए सिर्फ दवाओं पर निर्भर रहना ही जरूरी नहीं है, बल्कि रोजाना की डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना भी अहम है। डाइट में फाइबर, हेल्दी फैट और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करने से कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने में मदद मिल सकती है।

पुणे स्थित इनामदार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की इंटरनल मेडिसिन स्पेशलिस्ट और जनरल फिजिशियन डॉ. शालिनी सिंह सालुंखे के मुताबिक, रोजाना की डाइट में कुछ खास खाद्य पदार्थों को शामिल करके हार्ट हेल्थ को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है।

लहसुनः लहसुन को लंबे समय से हार्ट-फ्रेंडली डाइट का हिस्सा माना जाता है। इसमें मौजूद कुछ कंपाउंड्स कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को मैनेज करने में मदद कर सकते हैं। आप इसे सब्जी, दाल या सलाद में शामिल कर सकते हैं। हालांकि, केवल लहसुन खाने से बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल ठीक नहीं होता, इसलिए इसे संतुलित डाइट का हिस्सा बनाना बेहतर है।

चिया सीड्सः चिया सीड्स में फाइबर और प्लांट-बेस्ड ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। फाइबर से भरपूर डाइट बैड कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने में मदद कर सकती है। चिया सीड्स को पानी या दही में भिगोकर, स्मूदी या ओट्स के साथ लिया जा सकता है।

फैटी फिशः सैल्मन, सार्डिन और मैकेरल जैसी फैटी फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। ये खासतौर पर ट्राइग्लिसराइड्स को मैनेज करने और हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। नॉन-वेज खाने वाले लोग इन्हें संतुलित मात्रा में डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बेरीजः स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी और ब्लैकबेरी जैसी बेरीज में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इनमें मौजूद पोषक तत्व हार्ट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं। इन्हें स्नैक के तौर पर या दही और ओट्स के साथ खाया जा सकता है।

हरी सब्जियांः पालक, मेथी, सरसों का साग और दूसरी हरी पत्तेदार सब्जियां फाइबर और कई जरूरी विटामिन-मिनरल्स से भरपूर होती हैं।

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना दिल के लिए बन सकता है खतरा, जाने सेहत पर कैसे डालता है असर

आज के समय में लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत बनती जा रही है। काम शुरू करने के बाद कई लोग लगातार घंटों बीत जाने के बाद भी कुर्सी से उठते नहीं हैं। बीच में खाना, चाय और फोन जैसी चीजें भी अक्सर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। बाहर से देखने पर यह दिनचर्या आरामदायक लग सकती है, लेकिन शरीर के लिए लगातार कम एक्टिव रहना अच्छी बात नहीं है। कई वैज्ञानिक रिसर्च में लंबे समय तक बैठे रहने और दिल से जुड़ी बीमारियों के बीच संबंध पाया गया है। जब हम लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो हमारा शरीर बहुत कम काम करता है। पैरों और शरीर की दूसरी मांसपेशियां भी ज्यादा नहीं चलतीं। ऐसे में शरीर जितनी ऊर्जा चलने-फिरने के दौरान खर्च करता है, उतनी बैठने पर नहीं करता। अगर यह आदत रोज बनी रहे तो वजन बढ़ सकता है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और ब्लड शुगर को संभालना भी मुश्किल हो सकता है। ये सभी चीजें लंबे समय में दिल की बीमारी का खतरा बढ़ा सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी लोगों को लंबे समय तक बैठे रहने का समय कम करने और दिन में ज्यादा एक्टिव रहने की सलाह दी है। लंबे समय तक बैठे रहने और दिल की बीमारी के बीच संबंध को लेकर कई रिसर्च हुई हैं। 2024 में प्रकाशित एक रिसर्च में करीब 4.8 लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि जो लोग काम के दौरान ज्यादातर समय बैठे रहते थे, उनमें दिल की बीमारी से मौत का खतरा उन लोगों की तुलना में ज्यादा था जो काम के दौरान कम बैठते थे। रिसर्च में यह भी सामने आया कि रोजाना थोड़ी ज्यादा शारीरिक गतिविधि करने से इस खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। बता दें कि दिल की बीमारी का खतरा उम्र, वजन, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान और खान-पान जैसी कई चीजों पर भी निर्भर करता है। समस्या तब ज्यादा बढ़ सकती है, जब लंबे समय तक बैठने के साथ चलना-फिरना भी बहुत कम हो। कई घंटे एक ही जगह बैठे रहने से पैरों की मांसपेशियां ज्यादा काम नहीं करतीं। कुछ लोगों को लंबे समय तक बैठने के बाद पैरों में भारीपन, अकड़न या हल्की सूजन महसूस हो सकती है। यही कारण है कि काम के बीच थोड़ी देर उठना और चलना शरीर के लिए अच्छा माना जाता है। बार-बार छोटे ब्रेक लेने से शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में नहीं रहता।

रीढ़ को लचीला बनाता है तिर्यक ताड़ासन

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और खराब खानपान की वजह से कई तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसे में खुद को तरोताजा और फिट रखने के लिए योग से बेहतर कोई दूसरा विकल्प नहीं है। इन्हीं आसनों में से एक है तिर्यक ताड़ासन, जो पेट और कमर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। आयुष मंत्रालय और योग संस्थानों के दिशा-निर्देशों के अनुसार, तिर्यक ताड़ासन (झूलते ताड़ के पेड़ की मुद्रा) शरीर को लचीला बनाने और संतुलन सुधारने का एक बेहतरीन योगासन है। यह एक आसान और प्रभावी खड़े होकर किया जाने वाला आसन है, जिसमें शरीर को साइड की ओर झुकाया जाता है। इस आसन में सजगता बहुत जरूरी है। तिर्यक ताड़ासन के अभ्यास के लिए, सबसे पहले ताड़ासन की मुद्रा में खड़े होकर पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना अलग रखें, शरीर सीधा और हाथ नीचे रखें। सांस भरते हुए, दोनों हाथों की उंगलियां इंटरलॉक करें, हथेलियां ऊपर करके सिर के ऊपर सीधे उठाएं और कोहनियां सीधी रखें। इस दौरान, सांस छोड़ते हुए कमर से बाईं या दाईं ओर धीरे झुकें। इस पोज में 10 से 30 सेकंड तक रुकें और सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। यह 3 से 5 बार कर सकते हैं। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, कमर दर्द और साइड में जकड़न को कम करता है। पेट और आंतों की मालिश होती है, जिससे पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज दूर होता है। बगल, कंधे, छाती और हाथों की मांसपेशियां स्ट्रेच होने के साथ मजबूत भी होती हैं। फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, सांस लेना आसान होता है। संतुलन और एकाग्रता में सुधार आता है, तनाव कम होता है। नियमित अभ्यास से कमर की चर्बी घटती है।

E20 की जगह क्या E10 पेट्रोल लाने का विचार कर रही सरकार? BPCL ने बताया दिया सच

E20 पेट्रोल को लेकर देशभर में चल रही चर्चा के बीच एक अहम अपडेट सामने आया है। क्या सरकार E20 पेट्रोल को हटाकर फिर से E10 पेट्रोल लाने की तैयारी कर रही है? इस सवाल पर भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) ने स्थिति साफ कर दी है। कंपनी ने कहा है कि फिलहाल E20 को E10 से बदलने का कोई फैसला नहीं हुआ है। BPCL के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजय खन्ना ने कहा कि कुछ स्तरों पर इस बात पर चर्चा जरूर हो रही है कि पुरानी गाड़ियों के लिए कम एथेनॉल वाला पेट्रोल यानी E10 उपलब्ध कराया जाए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि E20 को देशभर में हटाकर उसकी जगह E10 कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अगर सरकार भविष्य में E20 से E10 पर स्विच करने का फैसला करती है, तो BPCL समेत तेल कंपनियों के लिए इसे लागू करना कोई बड़ी परिचालन चुनौती नहीं होगी। E10 पेट्रोल में करीब 10 फीसदी एथेनॉल और E20 में 20 फीसदी एथेनॉल होता है। भारत ने पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति अपनाई है, ताकि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम हो, प्रदूषण घटे और घरेलू एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा मिले। हालांकि, पुरानी गाड़ियों को लेकर अलग विकल्प देने की मांग उठी है। एक अनुमान के मुताबिक देश में BS-IV से पहले के करीब 7.5 से 8 करोड़ दोपहिया वाहन हैं। इनमें बड़ी संख्या कार्बोरेटर वाले वाहनों की है। विशेषज्ञों के एक वर्ग का मानना है कि ऐसे पुराने वाहनों के लिए कम एथेनॉल वाला पेट्रोल उपयोगी हो सकता है। BPCL के मुताबिक E20 को E10 से बदलना तकनीकी या परिचालन स्तर पर बड़ी समस्या नहीं है। असली चुनौती तब सामने आएगी, जब E10 और E20 दोनों पेट्रोल एक साथ पूरे देश में उपलब्ध कराने होंगे। भारत में एक लाख से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं और रिफाइनरी, डिपो, टर्मिनल और पाइपलाइन का बड़ा नेटवर्क है। दो अलग-अलग बेस फ्यूल की देशव्यापी सप्लाई से स्टॉक मैनेजमेंट, परिवहन और हैंडलिंग की जटिलता बढ़ सकती है। सरकार के स्तर पर फिलहाल अलग-अलग ऑप्शन पर विचार जारी है।

महिलाओं के लिए सरकार की खास योजना! लखपति दीदी बनकर सालाना ₹1 लाख तक कमाने का मौका

गांव की महिलाएं अगर अपने पैरों पर खड़ी होकर कमाई करना चाहती हैं, तो सरकार की लखपति दीदी योजना उनके लिए बड़ा अवसर बन सकती है। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) से जुड़ी महिलाओं की आमदनी बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। सरकार का लक्ष्य देशभर में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है, यानी उनकी सालाना आय कम से कम 1 लाख तक पहुंचाना है। लखपति दीदी योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार और छोटे कारोबार के लिए जरूरी ट्रेनिंग दिया जाता है। इसका मकसद सिर्फ आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को ऐसा हुनर देना है, जिससे वे खुद अपना काम शुरू कर सकें और नियमित आमदनी हासिल कर सकें। योजना के तहत महिलाओं को उनकी रुचि और स्थानीय जरूरत के हिसाब से अलग-अलग कामों के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसमें सिलाई-बुनाई, एलईडी बल्ब निर्माण, मशरूम की खेती और डेयरी जैसे काम शामिल हैं। इसके अलावा 'नमो ड्रोन दीदी' पहल के तहत कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल और संचालन से जुड़ी ट्रेनिंग भी दी जाती है। इस तरह महिलाएं खेती-किसानी से जुड़े कामों के साथ-साथ छोटे उत्पादन और सर्विस आधारित कारोबार भी शुरू कर सकती हैं। लखपति दीदी पहल की खास बात यह है कि महिलाओं को केवल ट्रेनिंग तक सीमित नहीं रखा जाता। इससे स्थानीय स्तर पर तैयार सामान को ज्यादा ग्राहक मिलने की संभावना बढ़ती है।

शेयर बाजार में आज फिर बिकवाली का दबाव! सेंसेक्स में 539 अंकों की भारी गिरावट

भारतीय शेयर बाजार में 27 अगस्त को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारी बिकवाली देखने को मिली। दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद बाजार के दोनों मुख्य सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। आज की इस गिरावट में बैंकिंग, ऑटो और आईटी शेयरों का बड़ा हाथ रहा, जिसके चलते निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब गए। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 539.35 अंक यानी 0.70% टूटकर 76,933.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 116.90 अंक (0.48%) गिरकर 24,090.85 पर आ गया। बाजार की चौड़ाई भी आज नकारात्मक रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में बाजार में बिकवाली का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि कुल 2,392 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि 1,736 शेयरों में तेजी रही और 167 शेयर बिना किसी बदलाव के स्थिर रहे। गिरावट की अगुवाई हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, HDFC बैंक (-1.75%), महिंद्रा एंड महिंद्रा (1.65%), HCL टेक्नोलॉजीज (-0.99%) और श्रीराम फाइनेंस ने की। इसके अलावा NTPC (-1.58%), इंडिगो (-1.17%), एयरटेल (-0.86%), SBI (-0.75%), ITC (-0.74%) और रिलायंस (-0.73%) में भी दबाव देखा गया।

'प्याज की सप्लाई पर्याप्त, घबराने की जरूरत नहीं', केंद्र सरकार आज से दिल्ली में ₹35 kg बेचेगी प्याज

प्याज की बढ़ती कीमतों ने अगर आपकी रसोई का बजट बिगाड़ दिया है, तो केंद्र सरकार की ओर से राहत की खबर है। सरकार ने साफ किया है कि देश में प्याज की कोई कमी नहीं है और आने वाले त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र ने बफर स्टॉक से प्याज बाजार में उतारना शुरू कर दिया है। दिल्ली में आज से उपभोक्ताओं को 35 प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध कराया जाएगा। बुधवार को देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत करीब 46.74 प्रति किलो रही। यह एक महीने पहले के मुकाबले लगभग 35 फीसदी और पिछले साल की तुलना में 63 फीसदी ज्यादा है। कीमतों में इस तेजी के बीच सरकार ने कहा कि फेस्टिव सीजन में मांग बढ़ने के कारण प्याज के दाम में सामान्य तौर पर कुछ बढ़ोतरी होती है। हालांकि, मौजूदा स्थिति पर सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। दिल्ली में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के लासलगांव से विशेष मालगाड़ी 'कांदा एक्सप्रेस' रवाना की है। एशिया की सबसे बड़ी प्याज थोक मंडियों में शामिल लासलगांव से करीब 450 मीट्रिक टन प्याज लेकर 21 बोगियों वाली ट्रेन बुधवार दोपहर करीब 3:10 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन दिल्ली के आदर्शनगर स्टेशन पहुंचेगी। सरकार ने पहले 840 मीट्रिक टन प्याज भेजने की योजना बनाई थी, लेकिन पैकिंग पूरी नहीं होने के कारण लोडिंग में देरी हुई और अंततः करीब 450 मीट्रिक टन प्याज ही भेजा जा सका।

₹300 पर पहुंचा GMP Price, टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स के IPO को मिला 184 गुना सब्सक्रिप्शन

थर्मल इंजीनियरिंग कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ निवेशकों से मिले जबरदस्त समर्थन के दम पर ग्रे मार्केट में भी छाया हुआ है। 20 अगस्त को खुला ये आईपीओ 24 अगस्त को बंद हुआ था। कंपनी के आईपीओ को आखिरी दिन सोमवार को 184.07 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। एनएसई से मिली जानकारी के मुताबिक, 650 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में पेश किए गए 1,51,81,667 शेयरों के मुकाबले 2,79,44,59,050 शेयरों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। इसमें NII कोटे को रिकॉर्ड 314.44 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इसी तरह, QIB कोटे को भी 302.88 गुना बोलियां मिलीं। जबकि, रिटेल इंवेस्टर्स के हिस्से को 60.69 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स अपने इस आईपीओ से 650 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इस आईपीओ में 95 करोड़ रुपये के 31,66,666 फ्रेश शेयर जारी किए गए हैं। जबकि, कंपनी के प्रोमोटर्स OFS के जरिए 555 करोड़ रुपये में अपनी हिस्सेदारी के 1,85,00,000 शेयर बेचे हैं। ये एक मेनबोर्ड आईपीओ है, जो घरेलू शेयर बाजार के दोनों प्रमुख एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होगा।

35% प्रीमियम के साथ हुई थी IPO की लिस्टिंग

लॉजिस्टिक बिजनेस से जुड़ी कंपनी शिपरॉकेट आज घरेलू शेयर बाजार में लिस्ट हो गई। कंपनी ने स्थानीय बाजार में छप्परफाड़ एंट्री मारी और 97 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 48 प्रतिशत की बढ़त लेकर पहले दिन का कारोबार बंद किया। बुधवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 33.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 129.50 रुपये पर लिस्ट हुआ था। कारोबार के आखिर में ये 47.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 143.50 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई के अलावा, कंपनी के शेयरों ने एनएसई पर भी बंपर ओपनिंग की। एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 131 रुपये पर शुरुआत की जो इश्यू प्राइस से 35 प्रतिशत ज्यादा है।

पहले दिन के कारोबार के अंत में ये एनएसई पर 47.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 143.45 रुपये पर बंद हुआ। पहले दिन का कारोबार बंद होने के बाद कंपनी का मार्केट कैप 10,440.74 करोड़ रुपये रहा। शिपरॉकेट लिमिटेड के आईपीओ को निवेशकों का जोरदार समर्थन मिला था। पिछले हफ्ते शुक्रवार को आखिरी दिन कंपनी के आईपीओ को 99.38 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। बताते चलें कि शिपरॉकेट लिमिटेड का आईपीओ बुधवार, 12 अगस्त को खुला था और 14 अगस्त को बंद हुआ था।

2030 तक ₹20 लाख करोड़ का होगा भारत का EV मार्केट, गडकरी ने कहा- 5 करोड़ नौकरियां हो सकती हैं पैदा

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) का बाजार आने वाले वर्षों में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि 2030 तक भारत का EV मार्केट करीब 20 लाख करोड़ का हो सकता है। इतना ही नहीं, इस सेक्टर से करीब 5 करोड़ नौकरियां पैदा होने की संभावना भी जताई गई है। अगर यह अनुमान सही साबित होता है तो EV सेक्टर भारत में रोजगार और कारोबार का बड़ा इंजन बन सकता है। CII-ITC सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के एक प्रोग्राम में गडकरी ने बताया कि देश में इस समय करीब 57 लाख इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हैं। उन्होंने कहा कि भारत में EV की बाजार हिस्सेदारी फिलहाल करीब 7 फीसदी है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। गडकरी ने इलेक्ट्रिक बसों को लेकर भी बड़ी बात कही।

उनके मुताबिक भारत में हर साल करीब 1 लाख इलेक्ट्रिक बसों की मांग है, लेकिन देश में फिलहाल केवल 50-60 हजार EV बसें सालाना बनाने की क्षमता है। यानी मांग और उत्पादन के बीच अभी बड़ा अंतर मौजूद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले 5 साल में भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को दुनिया का नंबर-1 उद्योग बनाना है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है। गडकरी के मुताबिक भारत के पास प्रशिक्षित मैनपावर है और देश में बनने वाली गाड़ियों की क्वालिटी अच्छी होने के साथ उनकी लागत भी प्रतिस्पर्धी है।

उन्होंने बताया कि जब उन्होंने परिवहन मंत्री का पद संभाला था, तब भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार करीब 14 लाख करोड़ था।

अब यह करीब 22-23 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। तुलना करें तो अमेरिका का ऑटो सेक्टर करीब 78 लाख करोड़ और चीन का करीब 47 लाख करोड़ का है। गडकरी ने कहा कि भारत हर साल करीब 22 लाख करोड़ का जीवाश्म ईंधन आयात करता है। इससे देश के आयात बिल के साथ प्रदूषण की समस्या भी बढ़ती है। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन, बायोफ्यूल और बेहतर परिवहन व्यवस्था भविष्य के लिए अहम हो सकती है।

सरकार भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को मौजूदा करीब 10 फीसदी से घटाकर 8 फीसदी करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। गडकरी के अनुसार, IIT चेन्नई, IIT कानपुर और IIM बेंगलुरु की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि एक्सप्रेसवे और इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने से लॉजिस्टिक लागत पहले के 16 फीसदी से घटकर करीब 10 फीसदी हो गई है।

दिल्ली के गोविंदपुरी में मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आइवरी कोस्ट (अफ्रीकी देश) के 36 वर्षीय नागरिक को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जीन यापो (Jean Yapo) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में गोविंदपुरी इलाके में रह रहा था। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 55.20 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इसमें 30.92 ग्राम कोकीन, 11.20 ग्राम क्रिस्टल एमडीएमए (MDMA) और 13.08 ग्राम वजन की 20 एक्स्टसी (Ecstasy) गोलियां शामिल हैं।इसके अलावा आरोपी जिस स्कूटी से सप्लाई देने जा रहा था चोरी की थी। ये स्कूटी साल 2024 में केशव पुरम थाने से चोरी हुई थी। 26 अगस्त 2026 की देर रात लगभग 1:40 बजे गोविंदपुरी थाने की पेट्रोलिंग टीम ने ओखला एस्टेट रोड पर क्राउन प्लाजा की तरफ जा रहे एक संदिग्ध विदेशी नागरिक को रुकने का इशारा किया। आरोपी ने रुकने के बजाय भागने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण वह स्कूटी सहित गिर गया और पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

अग्निवीर रोज़गार सेल का गठन करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तराखंड

उत्तराखंड, सैनिक कल्याण के क्षेत्र में देश के दूसरे राज्यों के लिए मॉडल बनकर उभरा है। उत्तराखंड सेना में 4 साल सेवाएं देने के बाद घर वापसी करने वाले अग्निवीरों के लिए अलग रोजगार सेल बनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वहीं, उत्तराखंड में सैन्य धाम का निर्माण भी पूरा हो चुका है। इसको लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सैन्य धाम हमारी समृद्ध विरासत का प्रतीक बनेगा। बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने सैनिक कल्याण को प्राथमिकता दी है। सरकार के फैसले और लागू की गई योजनाएं आज दूसरे राज्यों के लिए उदाहरण बन रही हैं। हाल ही में धामी कैबिनेट ने अग्निवीरों के लिए रोजगार सेल को मंजूरी दी है। यह सेल अग्निवीरों को रोजगार दिलाने में उनकी मदद करेगा। अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला पूर्व में ही सरकार ले चुकी है। भारत माता की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर शहीदों की प्रतिमाएं उनके पैतृक गांवों में स्थापित की जाएंगी। शहीदों की वीरता और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और उनके परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए बीते मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह अहम फैसला लिया गया है। परमवीर चक्र विजेताओं के परिवारों की अनुग्रह राशि 1.5 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ की गई है। अन्य सभी बलिदानियों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दी गई है। इसी प्रकार विभिन्न वीरता पुरस्कारों से सम्मानित सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त और वार्षिक सहायता राशि को भी बढ़ाया गया है। देहरादून में सैन्य धाम का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अब जल्द ही इसके लोकार्पण की तैयारी है। उत्तराखंड के शहीद सैनिकों की याद में धामी सरकार ने सैन्य धाम का निर्माण कराया है। शहीदों के घर-आंगन की मिट्टी को सैन्य धाम में सम्मानपूर्वक लाया गया है। सभी बलिदानियों की शौर्य गाथाएं भी यहां लिखी गई हैं। धामी सरकार

हर बलिदानी परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे रही है। 28 ऐसे पात्र आश्रितों को सरकारी सेवा में समायोजित किया जा चुका है। इसके साथ ही आवेदन की समय सीमा भी दो साल से बढ़ाकर पांच साल कर दी गई है। सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 लाख रुपये तक की संपत्ति खरीद पर स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। सैनिकों एवं पूर्व सैनिक परिवारों के साथ भूमि धोखाधड़ी के मामले जिला अदालतों में लंबित हैं। धामी सरकार इस मामले में भी पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए आगे आई है। इससे पहले हाल में सीएम धामी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि उत्तराखंड में दिसंबर तक 15 हजार से ज्यादा परिवारों को पक्की छत मिलेगी। सैनिक कल्याण से जुड़ी इन पहलों का उद्देश्य केवल पूर्व सैनिकों और अग्निवीरों को सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा देना भी है। सरकार की ओर से अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा उन्हें सरकारी सेवाओं में आरक्षण का लाभ देने की व्यवस्था की गई है। इससे वीर सैनिकों के योगदान और बलिदान की स्मृति आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

मुस्कान का हत्यारा शिकंजे में आ गया! जिम ट्रेनर इमरान का आधी रात को एनकाउंटर

दिल्ली के मुस्कान मर्डर केस में वॉंटेड बदमाश आकिब उर्फ इमरान पुलिस एनकाउंटर में गोली लगने से घायल हो गया है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ को आरोपी बदमाश इमरान के आने की सूचना मिली थी जिसके बाद स्पेशल स्टाफ की टीम ने ट्रैप लगाया। जैसे ही बदमाश राजौरी गार्डन के नाला रोड पर आया उसी दौरान बदमाश ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायर किया जिसमें बदमाश के पैर में गोली लगी जिसके बाद उसे काबू में किया गया। घायल इमरान को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच FSL की टीम ने एनकाउंटर वाली जगह से बैलिस्टिक सबूत जुटाए है। तिलक नगर के महावीर नगर इलाके में बुधवार की रात घर में घुसकर 21 साल की छात्रा और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मुस्कान की चाकू मारकर हत्या करने के बाद से इमरान फरार था। शुरुआती जांच में पता चला कि मृतका की डेढ़ साल से आरोपी की जान-पहचान थी। आशंका है कि दूसरे से दोस्ती की शक में आरोपी ने उसकी हत्या की है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी आकिब उर्फ इमरान ड्रग एडिक्ट है और उस पर गैर इरादतन हत्या की कोशिश का एक मामला दर्ज है।

21 साल की मुस्कान एक छात्रा थी और वो पार्ट टाइम मॉडलिंग का काम भी करती थी। मुस्कान 3 बहनें हैं एक छोटा भाई आकाश है। मुस्कान के दोस्त के मुताबिक आरोपी सामान्य व्यवहार नहीं करता था। वह लगातार मुस्कान का पीछा करता था और उससे बातचीत करने के लिए उसे पकड़ लेता था। बातचीत नहीं करने पर वह लगातार उसे परेशान करता था। घटना तिलक नगर के ओल्ड महावीर नगर की है। 21 साल की मुस्कान अपनी बहन और मां के साथ रह किराये पर रहती थी। आरोप है कि 26 अगस्त को जब घर पर मुस्कान अकेली थी तो शाम साढ़े 5 बजे जिम ट्रेनर इमरान उसके घर में आया और उनके बीच में कुछ झगड़ा हुआ जिसके बाद इमरान ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। मुस्कान के चीखने की आवाज सुन पड़ोसी मदद के लिए आए उन्होंने एंबुलेंस और पुलिस को फोन किया। फिर सीसीटीवी कैमरा खंगाला गया तो 5.40 बजे इमरान मुस्कान के घर के अंदर जाते हुए दिखा। मुस्कान और इमरान की मुलाकात पहली बार तिलक नगर के ही seven Zone gym में हुई थी जहां इमरान ट्रेनर का काम करता था और मुस्कान जिम के लिए आया करती थी। जिम के मालिक का कहना है कि उन दोनों की टाइमिंग अलग-अलग थी। इमरान का स्वभाव काफी अच्छा था कोई शिकायत कभी नहीं आई थी लेकिन वह देरी से आता था इसलिए उसे निकाल दिया था। उन्होंने बताया कि मुस्कान ने जितने समय का सब्स्क्रिप्शन लिया था वह खत्म हो गया था इसलिए एक महीने पहले से मुस्कान ने भी जिम आना बंद कर दिया था।

मनुस्मृति पर बयान देकर फंसे राहुल गांधी, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- 'माफी मांगे नहीं तो कांग्रेस के बहिष्कार की मुहिम चलाएंगे'

मनुस्मृति पर दिए बयान को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब संतों ने भी राहुल का विरोध शुरू कर दिया है। बात कांग्रेस के बहिष्कार तक जा पहुंची है।

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गुरुवार को कहा है कि राहुल गांधी बार बार सनातन धर्मग्रंथों का अपमान करते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा राहुल राजनीतिक नफा नुकसान के हिसाब से धर्मग्रंथों की व्याख्या ना करें। अगर उन्हें कोई आपत्ति है तो वो पहले धर्माचार्यों के पास जाएं, सही अर्थ समझें, तब ही कुछ बोलें। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- "राहुल गांधी बार-बार हमारे धर्म ग्रंथ का अपमान कर रहे हैं जो कि बहुत गलत बात है। अगर वह ऐसा करते रहेंगे और इसके लिए क्षमा याचना नहीं करेंगे तो हम इसके लिए मुहिम चलाएंगे कि हिंदू कांग्रेस पार्टी का बहिष्कार करे और कदापि वोट न दे। ये बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस, चाहे इस देश का हो या विश्व का वो हमारे धर्मग्रंथ का अपमान नहीं कर सकता। हमारा धर्मग्रंथ आदरणीय है और श्रद्धा का केंद्र है और उसमें लिखी बातें हम समझते हैं।

महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी चालकों को मिली बड़ी राहत, मराठी सीखने के लिए सरकार ने दी 1 साल की मोहलत

महाराष्ट्र में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किए जाने को लेकर कई दिनों से विवाद मचा हुआ है। अब महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को लेकर बड़ा फैसला किया है और ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों को बड़ी राहत दे दी है। सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों को बोलचाल की मराठी सीखने के लिए एक साल की मोहलत दी गई है। आइए जानते हैं कि इस फैसले के बारे में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने क्या जानकारी दी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ऑटो रिक्शा-टैक्सी चालक संस्थाओं के प्रमुख उनसे मिले थे। उन्होंने चालकों की ओर से मराठी सीखने के लिए एक साल का अतिरिक्त समय मांगा था। उनकी मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने एक साल की मोहलत देने का फैसला किया है। एक साल तक सरकार मराठी ना आने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। बता दें कि मराठी सीखने को लेकर हो रहे विवाद पर इससे पहले भी CM फडणवीस का बयान सामने आया था। उन्होंने साफ किया था कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सीएम फडणवीस ने कहा था कि चालकों को मराठी का विशेषज्ञ बनाने का कोई कारण नहीं है। उन्हें कामकाज से संबंधित बुनियादी मराठी आनी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि "ऑटो रिक्शा-टैक्सी चालकों ने इस बात का समर्थन किया है कि मुंबई में काम चलाऊ मराठी उनको सीखनी चाहिए, वो इसे सीखना भी चाहते हैं, इसके लिए उनका पूरा समर्थन है। लेकिन उन्होंने इसके साथ ये भी कहा कि अलग-अलग उम्र के लोग इस व्यवसाय में हैं। कई लोगों ने बहुत पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। इसलिए इतने कम समय में मराठी सीखना उनके लिए कठिन है। उन्होंने कामचलाऊ मराठी सीखाने के लिए बहुत वृहद प्लान तैयार किया है। उन्होंने ये मांग की है कि इसके लिए उन्हें 1 साल का समय दिया जाए। राज्य सरकार ने उनकी बात को माना है और उन्हें एक साल का समय दिया जा रहा है। 1 साल तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस दौरान उनकी मदद की जाएगी, अलग-अलग तरह से कक्षाएं तैयार कर के, साहित्य तैयार कर के उन्हें मराठी सीखाने का काम किया जाएगा।

'एक दशक में 1 हजार करोड़ से 39 हजार करोड़ पहुंचा भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट', बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने बताया है कि कैसे पिछले एक दशक में भारत की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग चार गुना बढ़ गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एमपी के जबलपुर में आयोजित समारोह में डिफेंस सेक्टर में भारत के आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ते कदमों पर बात की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज (गुरुवार को) कहा कि भारत का Domestic Defence Production पिछले 1 दशक में करीब 4 गुना बढ़कर लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़कर लगभग 39 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। राजनाथ सिंह ने ये बात व्हीकल फैक्टरी जबलपुर में टी-सीरीज के बैटल टैंक्स की मरम्मत और रखरखाव के लिए 472 करोड़ रुपये की लागत वाली सुविधा की आधारशिला रखने के बाद कही। राजनाथ सिंह ने कहा, 'घरेलू रक्षा उत्पादन 2014 में 46 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर करीब 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार डिफेंस एक्सपोर्ट भी 2014 के लगभग 1 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 39 हजार करोड़ रुपये हो गया है।' रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने फाइनेंशियल ईयर 2028-29 तक डिफेंस एक्सपोर्ट को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का टारगेट रखा है। उन्होंने कहा कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'आज का प्रोजेक्ट आत्मनिर्भरता की कड़ी में एक और अहम कदम है। आने वाले वर्षों में भारत, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के सेक्टर में एक मजबूत देश के तौर पर उभरेगा।' रक्षा मंत्री ने इस टैंक मरम्मत परियोजना को भारत के आत्मनिर्भर इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम के लिए अहम उपलब्धि बताया। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि यह प्रोजेक्ट लोकल लोगों के लिए रोजगार के मौके भी पैदा करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सुविधा निर्धारित समयसीमा में और High Quality Standards के अनुरूप पूरी होगी। इसके अंतर्गत हर साल 'T-72' और 'T-90' के 80 टैंकों की मरम्मत की जाएगी। राजनाथ सिंह बोले कि इंडियन आर्मी को हर साल ऐसे लगभग 230 टैंकों की मरम्मत की जरूरत होती है। चेन्नई के अवाडी स्थित Heavy Vehicles Factory फिलहाल सालाना लगभग 150 टैंकों की मरम्मत करती है और व्हीकल फैक्टरी जबलपुर में बनने वाली नई सुविधा बाकी कमी को पूरा करेगी। इससे पहले, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले 12 साल में भारत के डिफेंस सेक्टर में हुए बदलावों और आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति का जिक्र किया। जबलपुर में प्रस्तावित टैंक मरम्मत सुविधा को इसी आत्मनिर्भरता अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया। परियोजना के तहत अत्याधुनिक व्यवस्था विकसित की जाएगी, जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में टी-७२ और टी-९० टैंकों की मरम्मत एवं रखरखाव किया जा सकेगा। इससे सेना के बख्तरबंद बेड़े के रखरखाव में सुविधा होगी और सैन्य उपकरणों को लंबे समय तक प्रभावी स्थिति में बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ तकनीकी कौशल रखने वाले युवाओं के लिए भी नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इससे जबलपुर और आसपास के क्षेत्र में रक्षा उत्पादन से जुड़े औद्योगिक वातावरण को मजबूती मिलने की संभावना है।

यूपी में मिल रहे नेपाल की तबाही के निशान, गंडक नदी में तीन शव मिले

नेपाल में आई भीषण बाढ़ का असर अब गंडक नदी के रास्ते भारतीय क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। गुरुवार को निचलौल क्षेत्र के टेलफाल के समीप गंडक नदी में तीन शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर एसएसबी, एसडीआरएफ और निचलौल पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तेज बहाव के बीच एसएसबी की टीम ने मोटरबोट की मदद से तीनों शवों को नदी से बाहर निकालकर सुरक्षित किनारे पहुंचाया। बरामद शवों में दो महिलाओं और एक पुरुष के होने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक आशंका है कि तीनों नेपाल में आई भीषण बाढ़ के पानी में बहकर भारतीय क्षेत्र तक पहुंचे हैं। रेस्क्यू के बाद शवों को एंबुलेंस से जिला मुख्यालय स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया गया। पुलिस पहचान कराने में जुटी है और नेपाल के अधिकारियों से भी संपर्क किया जा रहा है। एसएसबी इंस्पेक्टर अरुण पांडेय ने बताया कि नेपाल की ओर से बहकर आए तीन शवों को रेस्क्यू किया गया है। नदी के तेज बहाव को देखते हुए आगे भी शव मिलने की आशंका है। वहीं, डीएम गौरव सिंह सोगरवाल और एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा एजेंसियों को नदी व तटीय इलाकों में लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं।

नेपाल में आए सैलाब के बीच ओडिशा के कपल लापता, मोबाइल बंद; फुटबॉल खिलाड़ियों की टीम सुरक्षित

नेपाल में आई भीषण फ्लैश फ्लड ने तबाही मचा दी है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद सैंकड़ों लोगों के मारे जाने की सूचना है। इस बीच, ओडिशा के खुर्दा से नेपाल घूमने गए एक दंपति के लापता होने की खबर ने चिंता बढ़ा दी है। लापता दंपति की पहचान संदीप महापात्र और सिद्धार्थी साहू के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से खुर्दा जिले के रहने वाले हैं। बताया गया है कि वे वर्ष 2018 से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे हैं और घूमने के लिए नेपाल पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, संदीप महापात्र और सिद्धार्थी साहू नेपाल की राजधानी काठमांडू घूमने के लिए गए थे। दोनों 22 अगस्त 2026 को नेपाल पहुंचे थे। ओडिशा सरकार के अनुसार, फिलहाल दोनों के मोबाइल फोन बंद हैं और अधिकारियों के पास उनके वर्तमान ठिकाने को लेकर कोई जानकारी नहीं है। कथित तौर पर उनकी आखिरी जीपीएस लोकेशन एक इमिग्रेशन ऑफिस के पास बताई गई है। दंपति के बारे में जरूरी जानकारी संदीप महापात्र के परिजनों से जुटाई गई है। यह जानकारी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ शेयर कर दी गई है, ताकि संबंधित एजेंसियां उनकी तलाश में मदद कर सकें। लापता दंपति का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। अधिकारी उनकी सुरक्षा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। नई दिल्ली स्थित चीफ रेजिडेंट कमिश्नर कार्यालय भी पूरे मामले पर नजर रख रहा है और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। उन्होंने रक्सौल बॉर्डर पोस्ट पार कर लिया है और अब भारत लौट रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415